M/s. SHANTA SERVICE STATION
Bharat Petroleum
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

दैनिक धनुष धारी
सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी

वर्ष-33, अंक 170, उल्हासनगर, शनिवार 13 जून 2026 (पृष्ठ 6)
Mob. No. 9325937797
E-mail Add.:- newsddd@gmail.com
dailydhanushdhari@yahoo.com
Post Regd No.THC/111/2024-2026
RNI No. 68359/93,
dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

गणेशोत्सव 2026: कोकण जाने वालों के लिए नियमित ट्रेनों की अग्रिम बुकिंग 13 जुलाई से

उल्हासनगर/मुंबई (नि.स.)। गणेशोत्सव कोकण क्षेत्र के लोगों का सबसे बड़ा और भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ त्योहार माना जाता है। हर साल लाखों लोग मुंबई, पुणे और अन्य शहरों से अपने परिवार के साथ गणपति बप्पा और गौरी उत्सव मनाने के लिए अपने गांवों की ओर रवाना होते हैं। ऐसे में इस वर्ष त्योहार के दौरान यात्रा की योजना बना रहे यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। कोकण रेलवे मार्ग पर चलने वाली नियमित ट्रेनों की अग्रिम टिकट बुकिंग 13 जुलाई 2026 से शुरू होने जा रही है। इसलिए यात्रियों को समय रहते अपने टिकट बुक कराने की सलाह दी जा रही है। हर साल रेलवे प्रशासन गणेशोत्सव के दौरान अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विशेष ट्रेनें चलाता है। हालांकि यात्रियों का अनुभव रहा है कि कई बार ये विशेष ट्रेनें समय पर गंतव्य तक नहीं पहुंच पातीं और घंटों देरी से चलती हैं। इसी कारण अधिकांश यात्री नियमित ट्रेनों में सफर करना पसंद करते हैं। कोकण मार्ग पर चलने वाली लोकप्रिय ट्रेनों जैसे कोंकण कन्या एक्सप्रेस, मंडोवी एक्सप्रेस, तुतारी एक्सप्रेस और मत्स्यगंधा एक्सप्रेस में टिकट पाने के लिए हर साल भारी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलती है।

■ **14 सितंबर को है गणेश चतुर्थी**

इस साल गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर को मनाया जाएगा। श्रावणी अमावस्या समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में लोग अपने गांवों की ओर रवाना होते हैं, इसलिए शुरुआती दिनों की ट्रेनों में टिकटों की मांग सबसे ज्यादा रहती है।

■ **महत्वपूर्ण बुकिंग तिथियां**

11 सितंबर की यात्रा के लिए टिकट बुकिंग 13 जुलाई 2026 से शुरू होगी। 12 और 13 सितंबर की यात्रा के लिए शनिवार (12 सितंबर) की यात्रा के लिए आरक्षण 14 जुलाई से शुरू होगा।

रविवार (13 सितंबर) की यात्रा के लिए आरक्षण 15 जुलाई से शुरू होगा।

■ **गौरी आगमन के लिए विशेष भीड़**

17 सितंबर को गौरी आगमन होगा।

18 सितंबर को मुख्य गौरी पूजन किया जाएगा।

गौरी उत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग कोकण जाते हैं। 17 सितंबर तक गांव पहुंचने के लिए यात्रा करने वालों की टिकट बुकिंग 19 जुलाई से शुरू होगी।

■ **120 दिन पहले होती है बुकिंग**

आईआरसीटीसी की अग्रिम आरक्षण प्रणाली के अनुसार यात्री यात्रा की तारीख से 120 दिन पहले टिकट बुक कर सकते हैं। यही वजह है कि गणेशोत्सव के दौरान नियमित ट्रेनों की सीटें कुछ ही मिनटों में भर जाती हैं। कोकण जाने की योजना बना रहे यात्रियों को जुलाई में शुरू होने वाली इन आरक्षण तिथियों को ध्यान में रखकर समय पर टिकट बुक कर लेना चाहिए। इससे वेटिंग लिस्ट, तत्काल टिकट की परेशानी और आखिरी समय की भागदौड़ से बचा जा सकता है। गणेशोत्सव के दौरान कोकण रेलवे मार्ग पर भारी भीड़ रहने की संभावना है, इसलिए समय रहते योजना बनाना सबसे बेहतर विकल्प माना जा रहा है।

अंबरनाथ में चोरों का आतंक : महज डेढ़ घंटे में 6 घरों से लाखों की चोरी

अंबरनाथ (नि.स.)। अंबरनाथ पश्चिम क्षेत्र में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि दो अज्ञात चोरों ने महज डेढ़ घंटे के भीतर छह अलग-अलग घरों में घुसकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। चोर 11 मोबाइल फोन, 2 लैपटॉप तथा महत्वपूर्ण दस्तावेजों सहित कुल 3 लाख 81 हजार रुपये का सामान लेकर फरार हो गए। एक ही सुबह में हुई चोरी की इस श्रृंखला से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब साढ़े छह बजे से आठ बजे के बीच सफेद शर्ट और खाकी पैंट पहने दो अज्ञात चोरों ने प्रभुकृपा अपार्टमेंट, डी.एच. पाटील कॉलोनी, खुंटवली, गावदेवी रोड, विमको नाका और घाडगेनगर क्षेत्र के छह घरों को निशाना बनाया। बताया जाता है कि घरों के सदस्य या तो गहरी नींद में थे अथवा घरेलू कार्यों में व्यस्त थे। इसी का फायदा उठाकर चोर खुले दरवाजों से घरों में दाखिल हुए और चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

चोरों ने प्रभुकृपा अपार्टमेंट निवासी अयाज मकबूल खान के घर से डेल और लेनोवो कंपनी के दो लैपटॉप, दो मोबाइल फोन, बैंक कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज सहित लगभग 2.71 लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। वहीं डी.एच. पाटील कॉलोनी निवासी आदित्यकुमार जाट के घर से विवो और ओप्पो कंपनी के तीन मोबाइल फोन चोरी किए गए इसके अलावा खुंटवली क्षेत्र में शाहबाज अली खान के घर से तीन मोबाइल फोन, गावदेवी रोड निवासी आकाश गुरव के घर से ओप्पो एफ-27 प्रो प्लस मोबाइल, विमको नाका निवासी मोहम्मद नदीम शेख के घर से वन प्लस मोबाइल तथा घाडगेनगर निवासी राजकुमार सिंह के घर से रेडमी मोबाइल और वाहन का आरसी बुक चोरी कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार सभी चोरी की घटनाओं का तरीका एक जैसा होने के कारण किसी एक ही गिरोह के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। मुख्य शिकायतकर्ता अयाज खान की शिकायत पर अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(ए) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सहायक पुलिस निरीक्षक सुप्रिया देशमुख के मार्गदर्शन में पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से विशेष रूप से सुबह के समय घरों के दरवाजे सुरक्षित रखने तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की है। एक ही सुबह में छह घरों में चोरी की वारदात ने अंबरनाथ में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उल्हासनगर : नाला सफाई के दावों की खुली पोल

कई स्थानों पर अब भी जाम पड़े हैं नाले

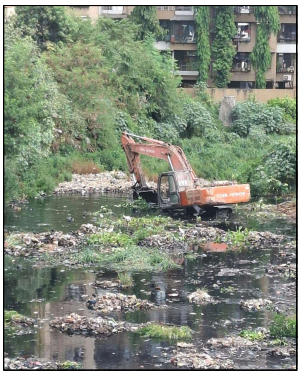

उल्हासनगर (नि.स.)। मानसून के आगमन से पहले नालों की सफाई पूरी करने के दावों के बीच शहर के कई हिस्सों में वास्तविक स्थिति कुछ और ही नजर आ रही है। महानगरपालिका प्रशासन की ओर से बड़े नालों की 90 प्रतिशत और छोटे नालों की 80 प्रतिशत सफाई पूरी होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत में अनेक नाले अब भी कचरे और गाद से भरे हुए दिखाई दे रहे हैं। निर्धारित 10 जून की समयसीमा बीत जाने के बावजूद कई स्थानों पर सफाई और गाद निकालने का काम जारी है।

शहर की वालधुनी नदी, खेमानी नाला, गायकवाड़ पाड़ा नाला, दुर्गा पाड़ा नाला और सम्राट अशोकनगर नाला समेत कुल 48 बड़े नालों की सफाई का कार्य चल रहा है। भारतनगर क्षेत्र में वालधुनी नदी से जेसीबी मशीनों के माध्यम से गाद निकाली जा रही है। हालांकि स्थानीय नागरिकों और विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि कई स्थानों पर नालों से निकाली गई गाद को पूरी तरह हटाने के बजाय वहीं किनारों पर फैला दिया जा रहा है, जिससे सफाई कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। नाले सफाई के दौरान एक और गंभीर तथ्य सामने आया है। अधिकारियों के अनुसार नालों से निकलने वाले कचरे में लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा प्लास्टिक का है। यह प्लास्टिक कचरा पानी के प्रवाह को बाधित करता है और बरसात के दौरान जलभराव की समस्या को बढ़ा सकता है। यही कारण है कि कई क्षेत्रों में सफाई कार्य अपेक्षित गति से पूरा नहीं हो पा रहा है

भारतनगर क्षेत्र की स्थिति को विशेष रूप से चिंताजनक बताया जा रहा है। यहां अंबरनाथ की ओर से आने वाला नाला वालधुनी नदी में मिल जाता है। नाले और नदी में बड़ी मात्रा में गाद एवं कचरा जमा होने से पानी के निकास में बाधा उत्पन्न हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले के किनारे सुरक्षा दीवार नहीं होने के कारण तेज बारिश की स्थिति में आसपास के घरों और एक स्कूल परिसर में पानी घुसने का खतरा बना हुआ है। इसके अलावा नदी किनारे हुए कथित अवैध निर्माणों के कारण नदी और नाले की चौड़ाई एवं गहराई कम हो गई है, जिससे बरसात के दौरान पानी का बहाव प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। शहर के शांतीप्रकाश स्कूल परिसर, गायकवाड़ पाड़ा, खेमानी, सम्राट अशोकनगर, टेलीफोन एक्सचेंज तथा फर्नीचर बाजार जैसे क्षेत्रों के आंतरिक नालों की सफाई भी अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। कई स्थानों पर नालों से निकाला गया गाद और कचरा किनारों पर ही पड़ा हुआ है, जिसे समय पर नहीं हटाया गया। इसके चलते आसपास के क्षेत्रों में दुर्गंध फैल रही है और नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मानसून की दस्तक से पहले अधूरी नाले सफाई और कचरे के ढेरों ने एक बार फिर महानगरपालिका की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि जल्द ही सफाई कार्य पूरे नहीं हुई तो बारिश के दौरान जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

आनंदनगर एमआईडीसी की कंपनी में घुसा चार फीट लंबा अजगर, सर्पमित्र ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

अंबरनाथ (नि.स.)। अंबरनाथ पूर्व स्थित आनंदनगर एमआईडीसी क्षेत्र की एक इंजीनियरिंग कंपनी में गुरुवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब परिसर में करीब चार फीट लंबा अजगर दिखाई दिया। कंपनी परिसर में बड़े सांप के दिखाई देने से कर्मचारियों में दहशत फैल गई। हालांकि सूचना मिलते ही पहुंचे सर्पमित्र ने अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम कंपनी परिसर में सांप दिखाई देने पर कर्मचारियों ने तत्काल सर्पमित्र प्रकाश गोहिल से संपर्क किया। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे और निरीक्षण शुरू किया। जांच के दौरान कंपनी में रखे सामान के नीचे एक सांप छिपा हुआ मिला। सामान हटाने पर पता चला कि वह करीब चार फीट लंबा अजगर है। सर्पमित्र आकाश गोहिल ने पूरी सावधानी बरतते हुए बिना किसी नुकसान के अजगर को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया। इसके बाद उसे कपड़े की थैली में सुरक्षित रखा गया और वन विभाग के कर्मचारियों की उपस्थिति में प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया गया। सर्पमित्रों के अनुसार इन दिनों बढ़ती गर्मी के कारण कई वन्यजीव ठंडी और सुरक्षित जगह की तलाश में रिहायशी एवं औद्योगिक क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं। ऐसे में यदि कहीं सांप या अन्य वन्यजीव दिखाई दें तो नागरिक घबराने के बजाय तुरंत सर्पमित्र या वन विभाग को सूचना दें। इस घटना के कारण कंपनी के कर्मचारियों में कुछ समय के लिए भय का माहौल बन गया था, लेकिन अजगर के सुरक्षित रेस्क्यू के बाद सभी ने राहत की सांस ली।

'स्कूल प्रवेशोत्सव' 15 जून को जनप्रतिनिधि और अधिकारी करेंगे नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत

उल्हासनगर (प्रे.वि)। उल्हासनगर महानगरपालिका के शिक्षण विभाग द्वारा आगामी 15 जून 2026 को महानगरपालिका क्षेत्र की सभी नगर निगम स्कूलों में 'शाला प्रवेशोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस उपक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों का उत्साहपूर्ण स्वागत कर उनमें आत्मविश्वास का निर्माण करना तथा अभिभावकों और समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है। ऐसी जानकारी शिक्षण विभाग द्वारा दी गई है।

शासन के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र के प्रथम दिवस पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को महानगरपालिका स्कूलों का दौरा कर नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत एवं मार्गदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके अंतर्गत उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार आयलानी, कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुलभा गायकवाड तथा अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर विभिन्न स्कूलों का दौरा करेंगे। इसके अलावा महानगरपालिका के महापौर, उपमहापौर, स्थायी समिति अध्यक्ष, शिक्षण समिति अध्यक्ष, विभिन्न समितियों के सभापति, गटनेता तथा नगरसेवकों को भी उनके प्रभाग की स्कूलों में विद्यार्थियों के स्वागत कार्यक्रम में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। संबंधित स्कूलों के मुख्याध्यापक जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर उन्हें कार्यक्रम में उपस्थित रहने का निमंत्रण देंगे। मनपा प्रशासन का मानना है कि स्कूल के पहले दिन विद्यार्थियों का विशेष स्वागत किए जाने से उनमें शिक्षा के प्रति रुचि और आत्मविश्वास बढ़ेगा। साथ ही अभिभावकों एवं समाज में भी सकारी स्कूलों के प्रति सकारात्मक संदेश जाएगा। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के मार्गदर्शन से स्कूलों के शैक्षणिक विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद व्यक्त की गई है।

मोबाइल को छुए बिना खाते से उड़ाए 95 हजार रुपये, साइबर ठगी का मामला दर्ज

बदलापुर (नि.स.)। साइबर अपराधियों द्वारा नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामले में बदलापुर पश्चिम निवासी एक महिला के बैंक खाते से बिना किसी यूपीआई पिन डाले और मोबाइल को छुए बिना 95 हजार रुपये निकाल लिए गए। मामले में बदलापुर (पश्चिम) पुलिस ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बदलापुर पश्चिम में रहने वाली मनिषा शर्मा ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार, 11 मई 2026 को दोपहर लगभग 12 बजे वह अपने घर पर मौजूद थीं। उस दौरान उनका मोबाइल फोन उनके पास ही था और उन्होंने किसी प्रकार का यूपीआई पिन भी दर्ज नहीं किया था। इसके बावजूद अज्ञात साइबर ठग ने किसी तरह मोबाइल का एक्सेस हासिल कर उनके एचडीएफसी बैंक खाते से कुल 95 हजार रुपये अनधिकृत रूप से निकाल लिए। खाते से रकम कटने की जानकारी मिलने पर महिला को ऑनलाइन ठगी का एहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर बदलापुर (पश्चिम) पुलिस स्टेशन में अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 66(सी) और 66(डी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक अनिल जाधव द्वारा की जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से बैंकिंग संबंधी लेनदेन करते समय सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस स्टेशन को देने की अपील की है।

मानसून में हो रही देरी : उमस और गर्मी से लोग परेशान

मुंबई (नि.स.)। देश के कई हिस्सों में मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन महाराष्ट्र में इसकी रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। जून का दूसरा सप्ताह समाप्त होने के बावजूद मुंबई और पुणे में अब तक मानसून नहीं पहुंचा है, जिससे लोगों को बढ़ती गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, मुंबई और पुणे में मानसून के 15 जून के बाद पहुंचने की संभावना है।

मालूम हो कि मई के अंतिम सप्ताह में देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत हुई थी। इसके बाद मानसून धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए गोवा और फिर महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों तक पहुंचा। हालांकि इस वर्ष मानसून की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी रही है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, मानसून कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में सक्रिय हो चुका है। गुरुवार को मानसून ने बिहार के कुछ इलाकों में भी प्रवेश कर लिया। इसके बावजूद महाराष्ट्र के कई हिस्सों, खासकर मुंबई महानगर क्षेत्र और आसपास के इलाकों में अभी भी बारिश का इंतजार बना हुआ है।

महिला की चाकू से हत्या के बाद ओला चालक ने की आत्महत्या, 3 साल के बेटे ने खोला राज

बदलापुर (नि.स.)। बदलापुर में महिला और एक ओला चालक की मौत के मामले ने अब चौंकाने वाला मोड़ ले लिया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह घटना किसी लूटपाट या बाहरी साजिश का नहीं, बल्कि आपसी विवाद और शक की वजह से हुई थी। पुलिस के अनुसार, ओला चालक ने महिला की कथित तौर पर हत्या करने के बाद खुद पर भी हमला कर अपनी जान दे दी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के मुताबिक, मृत महिला मनीषा भोसले के पति घाटकोपर इलाके में चाय का व्यवसाय करते हैं। करीब चार महीने पहले मनीषा ने बदलापुर से घाटकोपर जाने के लिए एक ओला कैब बुक की थी। इसी यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात ओला चालक ज्योतिबा शिंदे से हुई थी।

पुलिस के अनुसार, समय के साथ दोनों के बीच जान-पहचान बढ़ी और बाद में दोस्ती हो गई। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच लगातार विवाद होने लगे थे। प्राथमिक जांच में पता चला है कि ज्योतिबा शिंदे अक्सर मनीषा को फोन करता था, लेकिन कई बार उनका फोन व्यस्त मिलने पर उसे शक होने लगा। वह इस बात को लेकर नाराज रहता था कि मनीषा उससे बात करने के बजाय किसी और से फोन पर बातचीत कर रही हैं। इसी बात को लेकर दोनों के बीच फोन पर कई बार बहस हुई। पुलिस का कहना है कि यह विवाद धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि आरोपी ने खौफनाक कदम उठाने का फैसला कर लिया। पुलिस के मुताबिक, घटना वाले दिन ज्योतिबा शिंदे घाटकोपर से सीधे बदलापुर पहुंचा। बदलापुर पूर्व के जीवेलीगांव क्षेत्र में उसकी मनीषा भोसले से मुलाकात हुई, जहां दोनों के बीच फिर से तीखी बहस शुरू हो गई। जांच में सामने आया है कि गुस्से में आकर ज्योतिबा ने धारदार हथियार से मनीषा पर कई बार हमला किया। इस हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

महिला पर हमला करने के बाद आरोपी ने उसी धारदार हथियार से खुद को भी गंभीर रूप से घायल कर लिया। गंभीर चोटों के कारण उसकी भी मौत हो गई। गुरुवार शाम स्थानीय लोगों ने जुवेली गांव इलाके की सड़क पर दोनों के रक्तरंजित शव पड़े देखे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के समय मनीषा का तीन वर्षीय बेटा भी वहां मौजूद था। पुलिस के अनुसार, बच्चे ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि ड्राइवर अंकल ने मां को मारा। बच्चे द्वारा दी गई इस महत्वपूर्ण जानकारी के बाद जांच को नई दिशा मिली और पुलिस को घटना के पीछे की संभावित वजह समझने में मदद मिली। फिलहाल बदलापुर पुलिस इस पूरे मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि कॉल रिकॉर्ड, दोनों के बीच हुई बातचीत और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है ताकि घटना के सभी पहलुओं को स्पष्ट किया जा सके।

लोकल में सीट को लेकर विवाद युवक पर जानलेवा हमला, 12 घंटे में दो आरोपी गिरफ्तार

कल्याण (नि.स.)। मुंबई की जीवनरेखा मानी जाने वाली लोकल ट्रेन में सीट को लेकर हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। चलती लोकल ट्रेन में एक यात्री पर चाकू से जानलेवा हमला किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। मामले में कर्जत रेलवे पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 12 घंटे के भीतर दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उनका एक साथी अभी भी फरार है। पुलिस के अनुसार, घायल यात्री की पहचान सतीश कुमार बोलामनी पाठक (26 वर्ष, निवासी मस्जिद बंदर, मुंबई) के रूप में हुई है। वहीं गिरफ्तार आरोपियों के नाम इब्राहिम इद्रिस अंसारी (18 वर्ष, निवासी नेरल) और करण कन्हैयालाल अग्रवाल (22 वर्ष, निवासी शेलू) हैं

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार सुबह करीब 6.30 बजे सतीश कुमार पाठक सीएसएमटी से खोपोली जाने वाली लोकल ट्रेन के लगेज डिब्बे में सफर कर रहे थे। ट्रेन के वांगणी रेलवे स्टेशन पार करने के बाद सीट पर बैठने को लेकर उनका कुछ युवकों से मामूली विवाद हो गया। शुरुआत में यह केवल बहस तक सीमित था, लेकिन देखते ही देखते मामला बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच तीखी कहासुनी होने लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने सतीश कुमार पाठक के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान एक आरोपी ने अपने पास मौजूद धारदार चाकू निकालकर पाठक के पेट में वार कर दिया। चलती ट्रेन में अचानक हुए इस हमले से डिब्बे में मौजूद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घायल यात्री को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद कर्जत रेलवे पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस ने रेलवे स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और तकनीकी जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनका पता लगाया। इसके बाद नेरल के ममदापुर क्षेत्र में छापेमारी कर इब्राहिम अंसारी और करण अग्रवाल को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद दोनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, इस वारदात में शामिल तीसरा आरोपी सिद्धार्थ गायकवाड़ (निवासी नेरल) अभी फरार है।

संपादकीय

ताकि अलनीनो का कम पड़े दुष्प्रभाव

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय 'अल नीनो' का साया भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फ़ीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहाँ कृषि अभी- भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही द्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए।

भारत की करीब साठ प्रतिशत अब भी सीधे तौर पर खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीक को अपनाया जाए, जिनके ज़रिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज़्यादा पैदावार ली जा सके। अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहाँ तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूँकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफ़ी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षों पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है। जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए भूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूँकि ट्यूबवेल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की माँग बढ़ेगी।

इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूँग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों को तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पत्थरों या अन्य प्रकार के भू-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं।

संपादक,टीकम लालवानी

फिर से एक साथ होंगे एकनाथ शिंदे-उद्धव ठाकरे?

शिवसेना का शिंदे गुट अनेक नेताओं के माध्यम से संगठन की सक्रियता बनाए रखने में लगातार प्रयासरत है. उसकी तुलना में शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट एकजुटता तक बनाए रखने में असफल सिद्ध हो रहा है. हर किसी चुनाव में उसके नेता-कार्यकर्ता अपनी निष्ठा बदल लेते हैं. भले ही उसे आर्थिक कारणों को हवा देकर मन को संतोष दे दिया जाता है, लेकिन कमजोरी की समस्या कहीं न कहीं है. पार्टी की ऊपरी पंक्ति मुंबई तक सिमट गई है. वहां भी मनपा हाथ से निकलने के बाद समस्या पैदा हो चुकी है. दूसरी ओर भाषा से लेकर पारिवारिक भावना के नाम पर शिवसेना और मनसे के एकीकरण के प्रयास विफल साबित हो चुके हैं. जिससे भाजपा की बांछें खिलना स्वाभाविक है और शिवसेना के विघटन की खाई का अनुमान लगाना आसान है. यदि चचेरे भाई के साथ एकीकरण असंभव है तो शिवसेना की भाषा में 'गद्दारों' के साथ 'मातोश्री' में मेल-मिलाप किस तरह हो सकता है. शिवसेना ठाकरे गुट के प्रवक्ता संजय राऊत और शिंदे गुट के विधायक अब्दुल सत्तार अपने-अपने बयानों से चर्चाओं में बने रह सकते हैं, लेकिन पार्टी नेताओं को एक मंच पर साथ बैठाने में सक्षम नहीं कहे जा सकते हैं. इसलिए दोनों शिवसेना की आंतरिक चिंताएं हमेशा बनी रहेंगी, जो उनकी कमजोरी का अप्रत्यक्ष प्रमाण देती रहेंगी.

अमिताभ श्रीवास्तव

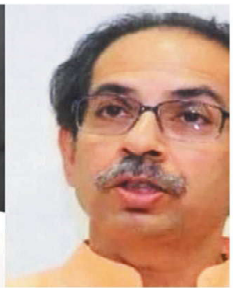

कभी एकजुट रहकर भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) को 'कमलाबाई' कहने वाली महाराष्ट्र की दोनों शिवसेना पिछले कुछ सालों से अपने आप को लेकर ही चिंता में बनी रहती हैं. पहले शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट भविष्यवाणियां करता रहता था. अब शिवसेना का एकनाथ शिंदे गुट भी उसके साथ सुर मिलाने लगा है. जिसके बाद उसे 'मातोश्री' का तुरत-फुरत आमंत्रण तक आ चुका है.

हालांकि ताजा बयान महाराष्ट्र के एक राजनीतिक घुमंतू नेता ने दिया है. जिस पर शिवसेना शिंदे गुट के किसी वरिष्ठ नेता ने गंभीरता नहीं दिखाई है. किंतु दोनों शिवसेना का एकीकरण फिर चर्चाओं में है. नया संदर्भ भले ही पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के विघटन पर आया हो, लेकिन शिवसेना का विकास अपने दम पर और पतन निजी तथा आपसी संघर्ष के बीच हुआ.

हालांकि छगन भुजबल जैसे नेता कांग्रेस से जा मिले और एकनाथ शिंदे भाजपा के साथ सत्ताधारी बने. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने कभी सरकार में शामिल होने की मंशा नहीं जताई. यह मानने में कोई संकोच नहीं है कि शिवसेना या फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) इन दिनों अपनी संगठनात्मक कमजोरी से परेशान हैं, जो उनका मजबूत आधार था.

आज वही नेताओं तथा कार्यकर्ताओं में लगातार बेचैनी बढ़ा रहा है. भाजपा और शिवसेना के बीच पहला गठबंधन वर्ष 1995 में हुआ और दोनों ने मिलकर महाराष्ट्र की सत्ता में कदम रखा. उससे पहले वर्ष 1985 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 16 सीटें जीत चुकी थी और वर्ष 1990 के चुनाव में 42 सीटें जीती थीं, जो शिवसेना की 52 सीटों से कम थी. वर्ष 1995 में पहली बार साथ चुनाव लड़ते हुए शिवसेना ने 73 और भाजपा ने 65 सीटें जीतकर सरकार बनाई. वर्ष 1999 में शिवसेना ने 69 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा

56 तक पहुंच पाई. इसके बाद वर्ष 2004 में भी आंकड़े गिरे. वर्ष 2009 के चुनाव में शिवसेना को बड़ा झटका लगा, जब वह भाजपा से नीचे पहुंच गई. तब भाजपा को 46 तथा शिवसेना को 44 सीटें ही मिल पाई.

भाजपा का यह प्रदर्शन वर्ष 1990 की तुलना में बेहतर था, किंतु इसके बाद उसने वर्ष 2014 से पीछे मुड़कर देखने का सिलसिला छोड़ दिया. उसने वर्ष 2024 में 132 के आंकड़े को छू लिया. शिवसेना वर्ष 2014 में 63 और वर्ष 2019 में 56 तक ही पहुंची. फिर वर्ष 2024 में उसने दो भागों में बंटकर 57 और 20 सीटें पाई. दोनों को मिलाकर देखने पर सम्मिलित आंकड़ा पिछले सभी प्रदर्शनों से बेहतर दिखता है,

लेकिन इसमें भी उसे अपना अस्तित्व खतरे में दिखता है. उसे भाजपा की दोगुनी-चौगुनी प्रगति डराती है. उधर, भाजपा ने दो हजार के पहले दशक से ही संगठनात्मक विकास पर ध्यान दिया. इसमें उसने केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) की लाठी पकड़कर चलने की बजाय विस्तार और अपनी शक्ति को बढ़ाने पर बल दिया.

उसने अनेक दलों के प्रभावशाली नेताओं को समय से पहले संगठन से जोड़कर अपना आधार मजबूत बनाया. उसके बाद चुनावी गणित को समझकर उससे तालमेल बनाया. वह लोकसभा चुनाव तक सीमित नहीं रही. उसने स्थानीय निकाय के चुनावों तक स्वयं को स्थापित करने के लिए प्रयास किए. उसने हार-जीत की परवाह किए बिना सभी चुनावों में हिस्सेदारी बढ़ाते हुए अपने मतदाताओं का आधार बढ़ाया.

करीब 14-15 साल की मेहनत का फल उसे वर्ष 2014 से मिलना आरंभ हो गया. आश्चर्यजनक यह है कि चुनावों की प्रतीक्षा किए बिना भाजपा संगठनात्मक मजबूती के लिए साल भर प्रयास जारी रखती है. वहीं दूसरे दल चुनावों की संभावना को देखकर अपनी तैयारी आरंभ करते हैं. एक बार पराजय मिलने के बाद उनकी संगठन पर पकड़ इतनी ढीली हो जाती है कि उसे ऐन चुनाव पर मजबूत करना हर एक नेता के बस की बात नहीं रह जाती है. परदे के पीछे भाजपा अपने मूल संगठन आरएसएस के संपर्क में रहती है और आगे नेताओं-कार्यकर्ताओं की फौज को भी अनिवार्य प्रशिक्षण देती रहती है.

यह देख राजनीतिक सक्रियता बनाए रखने वाले दूसरे दलों के नेता-कार्यकर्ता उसके पाले में आने में देर नहीं करते हैं. शिवसेना यदि यह मानती है कि भाजपा उसके लिए खतरा बन चुकी है, वह उसके अस्तित्व पर संकट ला सकती है तो उसे यह भी विचार करना होगा कि उसकी अपनी भीतरी कमजोरियां क्या हैं.

शिवसेना का शिंदे गुट अनेक नेताओं के माध्यम से संगठन की सक्रियता बनाए रखने में लगातार प्रयासरत है. उसकी तुलना में शिवसेना का उद्धव ठाकरे गुट एकजुटता तक बनाए रखने में असफल सिद्ध हो रहा है. हर किसी चुनाव में उसके नेता-कार्यकर्ता अपनी निष्ठा बदल लेते हैं. भले ही उसे आर्थिक कारणों को हवा देकर मन को संतोष दे दिया जाता है, लेकिन कमजोरी की समस्या कहीं न कहीं है.

पार्टी की ऊपरी पंक्ति मुंबई तक सिमट गई है. वहां भी मनपा हाथ से निकलने के बाद समस्या पैदा हो चुकी है. दूसरी ओर भाषा से लेकर पारिवारिक भावना के नाम पर शिवसेना और मनसे के एकीकरण के प्रयास विफल साबित हो चुके हैं. जिससे भाजपा की बांछें खिलना स्वाभाविक है और शिवसेना के विघटन की खाई का अनुमान लगाना आसान है.

यदि चचेरे भाई के साथ एकीकरण असंभव है तो शिवसेना की भाषा में 'गद्दारों' के साथ 'मातोश्री' में मेल-मिलाप किस तरह हो सकता है. शिवसेना ठाकरे गुट के प्रवक्ता संजय राऊत और शिंदे गुट के विधायक अब्दुल सत्तार अपने-अपने बयानों से चर्चाओं में बने रह सकते हैं, लेकिन पार्टी नेताओं को एक मंच पर साथ बैठाने में सक्षम नहीं कहे जा सकते हैं. इसलिए दोनों शिवसेना की आंतरिक चिंताएं हमेशा बनी रहेंगी, जो उनकी कमजोरी का अप्रत्यक्ष प्रमाण देती रहेंगी.

फिलहाल भाजपा के पास देश के हर दल के लिए दरवाजे खुले हैं, जो विपक्ष की नजर में अच्छे- बुरे का अंतर नहीं करते हैं. वह किसी को भी कपड़ों की तरह बिना पहचाने वाशिंग मशीन में धो देती है और सुखाकर पार्टी की अलमारी में सजा देती है. शायद यही उसकी सफलता की रणनीति है और दूसरों का डर भी, जो गीदड़भभकी से अप्रभावित है.

अध्यात्म

दूसरों की गलतियों को क्षमा करें, धैर्य रखें

एक दिन महावीर स्वामी किसी गांव के बाहर जंगल में ध्यान कर रहे थे। वे शांत और अपने ध्यान में मग्न थे। तभी कुछ अशिक्षित गांववाले अपनी गायों को चराने जंगल में आए। उन्होंने ध्यान में बैठे महावीर स्वामी को एक सामान्य इंसान समझा और उनके साथ मजाक-मस्ती करने लगे।

चरवाहों ने स्वामी जी को परेशान किया, लेकिन स्वामी का ध्यान बिल्कुल भी नहीं टूटा। वे अपनी साधना में मग्न थे।

गांव के कुछ विद्वान लोगों को इस बारे में मालूम हुआ, तो वे तुरंत स्वामी जी के पास पहुंचे। वे जानते थे कि यह महावीर स्वामी हैं। उन्होंने चरवाहों की हरकत के लिए क्षमा मांगी। स्वामी जी ने आंखें खोलीं और सभी की बातें ध्यान से सुनीं।

विद्वानों ने कहा, 'स्वामी जी, हम आपके लिए जंगल में एक कमरा बनवा देंगे, जिससे आपकी साधना में कोई बाधा न आए।'

महावीर स्वामी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'ये सभी चरवाहे भी मेरे अपने ही हैं। बच्चे नादानी में अपने माता-पिता का मुंह नोचते हैं, मारते हैं, फिर भी माता-पिता नाराज नहीं होते। मैं इन चरवाहों से नाराज नहीं हूं। मुझे कमरे की आवश्यकता नहीं है। आप जो धन कमरे में लगाने की सोच रहे हैं, उसे जरूरतमंदों की भलाई में खर्च करें। यही मेरे लिए सबसे अच्छा होगा।'

महावीर स्वामी ने सभी को संदेश दिया कि दूसरों की गलती पर प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य और करुणा से काम लेना चाहिए।

सीख

धैर्य रखें - दूसरों की गलती पर तुरंत प्रतिक्रिया न दें। शांत मन से सोचें।

क्षमा करने का अभ्यास करें - दूसरों की नादानी और भूलों को समझें, नाराज न हों, उन्हें क्षमा करें।

अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाएं - विवाद और गुस्से से बचें, अपनी ऊर्जा समाज सेवा और दूसरों की मदद में लगाएं।

अन्याय पर प्रतिक्रिया सोच-समझकर दें - जैसे महावीर स्वामी ने चरवाहों के लिए अपनाई। दूसरों गलतियों को क्षमा करें और शांत रहें।

विनम्रता बनाए रखें - महावीर स्वामी ने विनम्रता बनाए रखी और गांव के लोगों से दूसरों दूसरों की भलाई में धन लगाने का निवदेन किया।

साधना और आत्म-नियंत्रण - मन को स्थिर रखें, बाहरी परेशानियों से विचलित न हों।

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

वर्ग पहेली 5897

1	2	■	3		4	5	■
6		7		■	8		9
	■	10				■	
■	11		■	■	■	12	
13		■	14	■	15		
16		17		18	■		■
19			■	20	21		22
■		■	23	■		■	

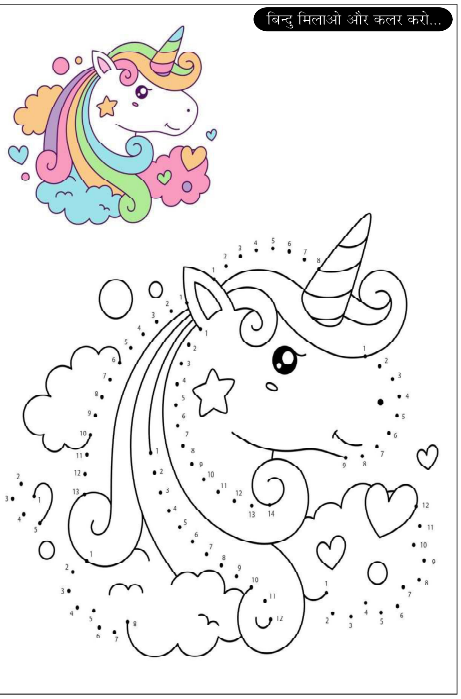

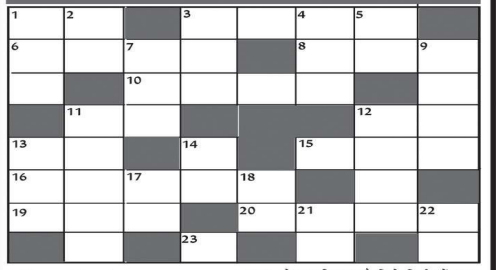

संकेतः बाएं से दाएं

1. मैक्सिको की वनीशा पोन्स डिलोन को इस साल की मिस वर्ल्ड चुनी गई। चीन के इस शहर में पिछली वर्ष की विजेता मानुषी छिल्लर ने वनीशा को मिस वर्ल्ड 2018 का ताज पहनाया (2)
3. जयशंकर प्रसाद का प्रसिद्ध काव्य (4)
6. दया करने योग्य (4)
8. माता का वह दुलार जो उसकी संतान पर होता है (3)
10. मनोहर, देखने में सुंदर (4)
11. वाद्य, बाजा (2)
12. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जो आठ रत्ती के बराबर होती है (2)
13. पकाकर किया हुआ गन्ने का रस (2)
15. वियोग, अभाव, अविद्यमानता (3)
16. अभिभावक, संरक्षक (5)
19. अरविंद, अंबुज, राजीव (3)
20. एक प्रसिद्ध दर्शनशास्त्री जो ओशो के नाम से प्रसिद्ध हुए (4)
23. अभिरूचि, स्वास्थ्य दशा (1)

ऊपर से नीचे

1. आदर सहित, आदरपूर्वक, इज्जत से (3)
2. इंसाफ, फैसला, जजमेंट (2)
3. स्थिर, मौजूद, ठहरा हुआ (3)
4. हिंदी व्याकरण में एक अलंकार जिसमें एक शब्द की अनेक बार आवृत्ति होने पर भी सबका विभिन्न अर्थ होता है (3)
5. इस कड़वे वृक्ष की छाल औषधि के निर्माण में पयुक्त होती है (2)
7. एक प्रसिद्ध कवि जो फिल्मी गीतकार भी रहे (3)
9. अपने अधिकारों का दुरूपयोग करने वाला (4)
11. इस नदी के तट पर अहमदाबाद और गांधी नगर जैसे प्रमुख शहर बसे हैं (5)
12. रेडियों के आविष्कारक (4)
13. हास्य रसप्रधान रूपक को यह भी कहा जाता है (3)
14. जानवरों के नख, सुम (2)
17. क्षण, लम्हा, समय का छोटा विभाग (2)
18. हैसियन, लेवल, परत (2)
21. पंच तत्वों में से एक, पानी, वारि (2)
22. चंद्रमा, मयंक, रजनीपति (2)

वर्ग पहेली 5896 का हल

स	ब	■	ग्री	स	■	सु	वा
ता	न	से	न	■	बो	ध	क
ना	ना	■	रू	ब	ल	■	या
■	■	क	म	ल	ना	थ	■
त	ला	श	■	भ	■	ल	य
क्ष	मा	■	भ	द्र	ता	■	म
शि	■	सं	ग	■	म	ह	क
ला	वा	■	वा	दा	■	स्त	■

रास्ता खोजो...

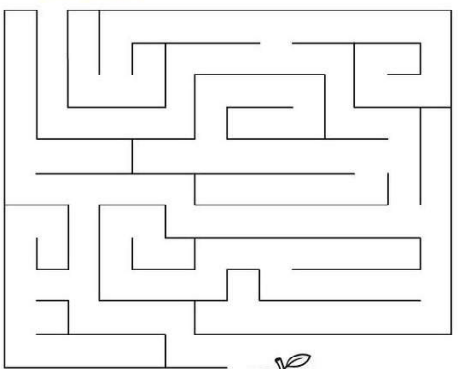

Konark
Enterprises Pvt. Ltd.
Reliance
AUTHORISED DEALER
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

पंचक में क्यों की जाती है पंचमुखी हनुमान की पूजा?

हर माह में पंचक के दो 5 दिन आते हैं जब हर प्रकार के शुभ कार्य पर रोक लग जाती है। हिन्दू धर्म और ज्योतिष शास्त्र में पंचक को बहुत अशुभ माना जाता है और पंचक का प्रभाव भी व्यक्ति के जीवन पर देखने को मिलता है। यही कारण है कि ज्योतिष शास्त्र में कई प्रकार के उपाय बताये गए हैं पंचक के अशुभ प्रभाव को नष्ट करने के लिए। इन्हीं में से एक है पंचमुखी हनुमान जी की पूजा का उपाय। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि पंचक में हनुमान जी के पंचमुखी स्वरूप की पूजा करने का बड़ा महत्व है और साथ ही, इससे कई अद्भुत लाभ भी मिलते हैं।

पंचक में पंचमुखी हनुमान की पूजा करने से क्या होता है?

पंचक एक ऐसा समय होता है जब चंद्रमा 5 नक्षत्रों धनिष्ठा, शतताराका, पूर्वा भाद्रपद, उत्तरा भाद्रपद और रेवती से गुजरता है। ज्योतिष में इस अवधि को अशुभ माना जाता है और ऐसा माना जाता है कि इस दौरान किए गए कुछ कार्य नकारात्मक परिणाम दे सकते हैं। पंचमुखी स्वरूप भगवान हनुमान का एक विशेष रूप है जिसमें उनके 5 मुख हैं- हनुमान, नरसिंह, गरुड़, वराह और हयग्रीव। प्रत्येक मुख एक विशेष शक्ति और उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करता है। पंचक में पंचमुखी हनुमान जी पूजा को बहुत प्रभावशाली माना जाता है। पंचक के दौरान नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है। पंचमुखी हनुमान की पूजा इस नकारात्मकता को दूर करने और घर तथा व्यक्ति के आसपास सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में मदद करती है। भगवान हनुमान स्वयं सभी प्रकार की बुरी शक्तियों और नकारात्मक प्रभावों से रक्षा करने वाले माने जाते हैं, और उनका यह पाँच मुखी रूप इस शक्ति को और बढ़ाता है। पंचक में किसी भी प्रकार का संकट या परेशानी आने की संभावना बढ़ जाती है। पंचमुखी हनुमान राकटगोचन है, और उनकी पूजा करने से जीवन में आने वाली बाधाओं और मुश्किलों से छुटकारा मिलता है। यह माना जाता है कि वे अपने भक्तों को हर प्रकार के कष्टों से बचाते हैं। पंचक के दौरान अज्ञात भय या तनाव महसूस हो सकता है। नरसिंह का मुख भय को दूर करने वाला माना जाता है। पंचमुखी हनुमान के इस रूप की पूजा करने से मन शांत होता है और भय व चिंताए दूर होती है।

हनुमान शक्ति और ऊर्जा के प्रतीक हैं। पंचक के दौरान शारीरिक या मानसिक कमजोरी महसूस होने पर पंचमुखी हनुमान की पूजा करने से शक्ति और स्फूर्ति मिलती है। यह आपको चुनौतियों का सामना करने की क्षमता प्रदान करता है। पंचक नक्षत्रों से जुड़ा होने के कारण ग्रहों के कुछ अशुभ प्रभाव बढ़ सकते हैं। पंचमुखी हनुमान की पूजा ग्रहों के इन नकारात्मक प्रभावों को शांत करने और उनसे सुरक्षा प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

घर पर रहती है बिना वजह अशांति, तो वास्तु के ये उपाय आएंगे काम

अगर आपका घर बन चुका है और बाथरूम, किचन या स्टोर रूम में बदलाव संभव नहीं है, तो कुछ आसान उपायों से आर्थिक गृह क्लेश से मुक्ति पा सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा ला सकते हैं और मानसिक शांति प्राप्त कर सकते हैं। आइए एस्ट्रोलॉजर से जानें वास्तु के कुछ आसान उपाय जो आपके घर में शांति बनाए रख सकते हैं।

क्या आपके घर में बिना किसी कारण के अशांति बनी रहती है? क्या परिवार के सदस्यों में अक्सर झगड़े होते रहते हैं? क्या आपके घर में मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है? अगर ऐसा है, तो इसका कारण वास्तुदोष हो सकता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का सही संतुलन न होने से नकारात्मक ऊर्जा हावी हो सकती है, जिससे मानसिक शांति भंग होती है। घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए वास्तु के कुछ आसान और प्रभावी उपाय आजमाए जा सकते हैं। सही दिशा में रखी गई चीजें, घर की स्वच्छता, सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करने वाले उपाय और वास्तु अनुकूल वातावरण न केवल मन को शांत रखते है, बल्कि घर में खुशहाली भी लाते हैं।

मुख्य द्वार पर स्वास्तिक या ऊँ का चिन्ह बनाएं

यदि आप अपने घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक या ऊँ का निशान बनाते हैं, तो यह न केवल सकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रित करता है, बल्कि नकारात्मक शक्तियों को भी दूर करने में सहायक होता है। स्वास्तिक को हिंदू धर्म में शुभता, समृद्धि और सफलता का प्रतीक माना जाता है, जबकि ऊँ का उच्चारण और इसका चिह्न घर में आध्यात्मिक शांति और ऊर्जा को बढ़ाता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, स्वास्तिक और ऊँ का चिन्ह मंगल दोष को कम करने में सहायक होता है और घर में सुख-समृद्धि बनाए रखता है। इसे बनाने के लिए गेरू, हल्दी या रोली का उपयोग करना सबसे शुभ माना जाता है। इसे नियमित रूप से स्वच्छ रखें और खासतौर पर मंगलवार और शनिवार को इसका पूजन करें, जिससे घर में सकारात्मकता बनी रहे और बुरी शक्तियों का प्रभाव समाप्त हो जाए।

बेड के सामने न रखें टेलीविजन या आईना

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेडरूम में बिस्तर के ठीक सामने टेलीविजन या आईना रखना नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकता है और गृह क्लेश का कारण बन सकता है। टेलीविजन या आइने में सोते समय हमारी छवि दिखाई देती है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है, जो मानसिक अशांति, तनाव और दांपत्य जीवन में समस्याओं को जन्म दे सकती है। विशेष रूप से रात के समय ऐसा करने से आपकी नींद में बाधा आती है और स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां होने की संभावना बढ़ जाती है। यदि किसी वजह से टेलीविजन या आइना हटाना संभव न हो, तो सोते समय इसे कपड़े से ढककर रखें या बेड की दिशा बदलने पर विचार करें। यह सरल उपाय आपके घर की शांति बनाए रखने में सहायक होगा और अनचाही परेशानियों से बचाव करेगा।

बाथरूम में अपनाएं ये वास्तु उपाय

घर के बाथरूम का दरवाजा हमेशा लकड़ी का होना चाहिए, किसी भी धातु से बना दरवाजा नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसके अलावा आपके घर के बाथरूम में कभी भी खाली बाल्टी नहीं रखनी चाहिए। घर के बाथरूम में हमेशा पानी से भरी बाल्टी रखें, इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। यदि घर में ज्यादा बाल्टियां है, तो उन्हें उल्टा करके रखें या उनमें पानी भरकर ही रखें।

नया घर बना रहे हैं तो वास्तु के इन नियमों का करें पालन

- जो लोग नया घर बना रहे हैं, उन्हें किसी वास्तु विशेषज्ञ से सलाह जरूर लेनी चाहिए और कुछ महत्वपूर्ण वास्तु नियमों का पालन करना चाहिए।
- आपको कभी भी मुख्य द्वार के पास डायनिंग टेबल नहीं रखनी चाहिए।
- घर के सभी सभी कमरे हवादार और रोशनी से भरपूर होने चाहिए। घर का कोई भी कमरा अंधेरे स्थान पर नहीं होना चाहिए।
- सभी कमरों का आकार वर्गाकार या आयताकार होना चाहिए।
- घर का मुख्य द्वार कभी भी काले रंग का नहीं होना चाहिए। काला रंग नकारात्मकता को बढ़ावा देता है और घर के वास्तु दोष का कारण बनता है।
- घर के मुख्य द्वार के पास फव्वारा या पानी से संबंधित कोई भी वस्तु न रखें। मुख्य द्वार के आस-पास अंधेरा नहीं होना चाहिए।
- इन आसान उपायों को अपनाकर आप घर के वास्तुदोष को कम कर सकते हैं और सुख-शांति व समृद्धि को आमंत्रित कर सकते हैं। यही नहीं इन उपायों से आपके घर की अशांति भी दूर होती है।

झाड़ू से जुड़े वास्तु नियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी दो झाड़ू को एक साथ नहीं रखना चाहिए, क्योंकि यह आर्थिक समस्याओं को आमंत्रित कर सकता है। झाड़ू को सही स्थान पर रखने से न केवल घर की सफाई बनी रहती है बल्कि धन की स्थिरता भी बनी रहती है। इसे हमेशा उत्तर-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है, क्योंकि यह सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है और आर्थिक समृद्धि को बनाए रखने में सहायक होता है। इसके अलावा, झाड़ू को कभी भी खुली जगह में न रखें और न ही इसे पैर लगने दें, क्योंकि यह धन हानि का कारण बन सकता है। झाड़ू को इस्तेमाल के बाद हमेशा एक निश्चित स्थान पर रखें और रात में झाड़ू लगाने से बचें, क्योंकि इसे आर्थिक नुकसान और दुर्भाग्य से जोड़कर देखा जाता है। इन सरल वास्तु नियमों का पालन करके आप अपने घर में सकारात्मकता और समृद्धि बनाए रख सकते हैं।

अधिक पूजा-पाठ करने वाले लोग क्यों रहते हैं परेशान

पूजा-पाठ करना बहुत सुंदर भाव है। इससे व्यक्ति को आंतरिक शांति मिलती है और उसका सुखमय रहता है। साथ ही भगवान के प्रति उसकी आस्था भी बढ़ने लग जाती है। हर मनुष्य के मोक्ष की प्राप्ति के लिए ज्ञान और कर्म बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी के साथ भगवान की भक्ति भी जरूरी होती है, लेकिन बिना कर्म, ज्ञान और भक्ति के पूजा सिद्ध नहीं मानी जाती है। पूजा-पाठ करना बहुत ही सुंदर और पवित्र भाव होता है।

इससे व्यक्ति के ऊपर ईश्वर की कृपा बनी रहती है और आंतरिक शांति भी मिलती है। अगर व्यक्ति सच्चे मन से ईश्वर की प्रार्थना करता है, तो उसके जीवन में कठिनाइयां जरूर आती हैं। क्योंकि ईश्वर उन्हीं की परीक्षा लेता है, जिससे वह सबसे ज्यादा प्रेम करता है। पूजा-पाठ एक कर्म भी माना जाता है। जिसका समुचित फल व्यक्ति को समय के अनुसार मिलता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जो व्यक्ति ईश्वर की सच्चे मन से पूजा करता है, वह परेशान रहता है।

अधिक पूजा-पाठ (पूजा-पाठ नियम) करने वाला व्यक्ति इसलिए परेशान रहता है, क्योंकि ईश्वर उसी की परीक्षा लेते हैं, जिससे वह सबसे अधिक प्रेम करता है। भगवान उसे हर कठिनाइयों से मुक्त करना चाहते हैं, ताकि उसे जीवन में कभी किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़ें। वहीं भक्त भी सच्चे हृदय से अपने आराध्य की पूजा करता है, ताकि ईश्वर के प्रति उसकी आस्था निरंतर बढ़ती रहे और जीवन में आ रही कठिनाइयां भी उसका कुछ न बिगाड़ सके।

ईश्वर अपने भक्तों को देते हैं शक्ति

ईश्वर अपने भक्तों को कभी उदास नहीं देख सकते हैं और वह नहीं चाहते हैं कि दूसरों उन्हें परेशान करें और उन्हें हानि पहुंचाएं। इसलिए भगवान (श्रीहरि मंत्र)अपने भक्तों को अकेले रहने की शक्ति देते हैं, ताकि वह हर परिस्थिति का डटकर सामना कर सके।

भक्त श्रद्धा भाव से करें ईश्वर की पूजा

भक्तों अगर आप ईश्वर की पूजा कर रहे हैं, तो उनकी पूजा में कभी गलती न करें। कभी-कभी ऐसा होता है कि हम कई बार पूजा-पाठ करने के दौरान छोटी-छोटी गलती कर देते हैं, जिससे हमें मुश्किलों का सामना करना पड़ जाता है,लेकिन भगवान कभी भक्त का नियम नहीं देखते हैं, कि वह किसी विधि और नियम से पूजा कर रहा है। वह तो बस यही चाहते हैं कि भक्त श्रद्धाभाव से उनको याद करें। ईश्वर एक शक्ति और भाव हैं। उसी भक्त पर ईश्वर की कृपा होती है, जो सरल, श्रद्धा और अपनत्व का जीवन जीते हैं।

हिंदुओं में एक ही गोत्र में शादी करने की क्यों होती है मनाही

हिंदू धर्म में शादियों के लिए कई प्रथाएं प्रचलित हैं। शादी की कई रस्मों से लेकर रीति रिवाजों तक न जाने कितनी बातें हैं जो इन शादियों को खास बनाती हैं। यूं कहा जाए कि अपनी प्रथाओं की वजह से ही हिंदू शादियों का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है और इन रिवाजों का पालन करने से रिश्ता मजबूत बना रहता है। ऐसे ही शादियों से पहले की भी कुछ प्रथाएं हैं जैसे शादी से पहले कुंडली का मिलान करना, कुंडली में सभी तरह की बातों को ध्यान में रखकर शादी को आगे बढ़ाना और इन्हीं रिवाजों में से एक है कुंडली के साथ गोत्र का मिलान करना।

जिस तरह कुंडली मिलान को एक सफल शादी की बुनियाद माना जाता है उसी तरह यह भी मान्यता है कि एक ही गोत्र में शादी नहीं करनी चाहिए। आपमें से कई लोगों ने बड़ों से ये बात कहते हुए कई बार सुनी होगी और शायद इसका कारण ठीक से पता न चल पाया हो।

ज्योतिष में ऐसा माना जाता है कि गोत्र सप्तऋषि (कौन हैं सप्तऋषि) के वंशज का रूप हैं, जिसका अर्थ है 7 ऋषि। सात ऋषि अंगिरस, अत्रि, गौतम, कश्यप, भृगु, वशिष्ठ और भारद्वाज हैं। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार वैदिक काल से ही गोत्रों का वर्गीकरण अस्तित्व में आया था। वास्तव में सैम गोत्री विवाह और गोत्र का चलन रक्त संबंधियों के बीच विवाह से बचने के लिए स्थापित किया गया था और इस प्रकार यह निर्धारित करने के लिए बाद में सख्त नियम बनाए गए कि कौन किस वंश से विवाह कर सकता है। उसी के साथ इस बात की मनाही भी हुई कि किसी एक ही गोत्र के लड़के को उसी गोत्र की लड़की से शादी नहीं करनी चाहिए।

एक ही गोत्र में विवाह वर्जित क्यों है?

ज्योतिष की मानें तो एक ही गोत्र में विवाह इसलिए वर्जित होता है क्योंकि मान्यता है कि एक गोत्र का गतलब है कि हमारे पूर्वज भी एक ही थे। इस लिहाज से ये बात सामने आती है कि एक ही गोत्र के लड़के और लड़की आपस में भाई- बहन का रिश्ता रखते हैं। यदि ज्योतिष की न भी मानें तो ये वैज्ञानिक कारणों से भी वर्जित होता है। दरअसल लड़के और लड़की के बीच डीएनए के घनिष्ठ संबंध उनके वैवाहिक जीवन से लेकर संतान प्राप्ति तक में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं। समान गोत्र वाले लोगों को सगे रिश्तों की तरह माना जाता है और समान-गोत्र-शादियों से बचने के लिए दिया गया तर्क यह है कि जीन की निकटता के कारण आनुवंशिक विकृति उत्पन्न हो सकती है।

किन गोत्रों में नहीं की जाती शादी

हिंदू रिवाजों की मानें तो विवाह (जल्दी शादी के उपाय) तीन गोत्र छोड़कर ही करना चाहिए। इसमें अपना गोत्र, माता का गोत्र और पिता की माता यानी कि दादी के गोत्र को छोड़कर किसी भी गोत्र में शादी करने की सलाह दी जाती है। ज्योतिष में इन गोत्रों में शादी करने से आगे के जीवन में कई समस्याएं हो सकती हैं।

क्या एक गोत्र में विवाह किया जा सकता है? कुछ ज्योतिषियों का मानना है कि सात पीढ़ी के बाद गोत्र बदल जाते हैं अर्थात सात पीढ़ी से यदि एक ही गोत्र चला आ रहा है तो आठवीं पीढ़ी से गोत्र में परिवर्तन होने की वजह से इस तरह का विवाह किया जा सकता है।

क्या हैं वैज्ञानिक कारण

अगर वैज्ञानिक शोधों की मानें तो आनुवंशिक बेमेल और संकर डीएनए संयोजनों के कारण रक्त संबंधियों के बीच विवाह करने से संतान पैदा करने में समस्याएं हो सकती हैं। ऐसा माना जाता है कि इस तरह की संतान को कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि आजकल विज्ञान ने इतनी उन्नति कर ली है कि लोग ऐसी शादियां करते हैं और उनकी संतान भी स्वस्थ पैदा होती है। लेकिन ज्योतिष और विज्ञान दोनों के अनुसार ऐसा विवाह न करने की सलाह ही दी जाती है।

मैगी और ओपन सीक्रेट के पैकेट में मिले जिंदा कीड़े

● FSSAI ने नेस्ले, केएफसी और फ्लिपकार्ट को नोटिस भेजा, प्रभावित बैच को तुरंत हटाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैगी के एक पैकेट में कीड़े मिलने की शिकायत के बाद फूड रेगुलेटर ख्रस्स्द्ध ने नेस्ले को कारण बताओ नोटिस भेजा है। नेस्ले के अलावा खजूर के एक पैकेट में कीड़े मिलने की शिकायत के बाद फ्लिपकार्ट इंडिया और ओपन सीक्रेट से जवाब मांगा गया है। साफ-सफाई से जुड़े मुद्दों को लेकर फास्ट-फूड चेन केएफसी को भी नोटिस दिया गया है।

ख्रस्स्द्ध ने नेस्ले से 3 खास बिंदुओं पर मांगा जवाब– सोर्स और क्वालिटी चेक लॉग: नेस्ले को सबसे पहले उस खास बैच का पता लगाना होगा, जिसमें गड़बड़ी की शिकायत मिली है। कंपनी को यह बताना होगा कि इस बैच का कच्चा माल किस वेंडर से आया था और पैकेट ग्राहकों तक पहुंचने से पहले कंपनी के अंदर इसकी क्वालिटी की जो जांच हुई थी, उसके पूरे रिकॉर्ड पेश करना होगा।

सप्लाई चेन से स्टॉक हटाना: कंपनी को यह साबित करना होगा कि शिकायत वाले बैच या संभावित रूप से प्रभावित स्टॉक को बाजार और सप्लाई चेन से हटाने के लिए उसने तुरंत क्या कदम उठाए हैं, ताकि यह ग्राहकों तक न पहुंचे।

भविष्य के लिए पुख्ता इंतजाम: रेगुलेटर ने नेस्ले से उन सिस्टेमिक बदलावों और कदमों की रूपरेखा मांगी है जो कंपनी अपने क्वालिटी कंट्रोल प्रोसेस में करने जा रही है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो।

नेस्ले के लिए क्यों संवेदनशील है यह मामला?- कंपनी के लिए यह नोटिस इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि साल 2015 में भी नेस्ले एक बड़े रेगुलेटरी संकट का सामना कर चुकी है। उस वक्त ख्रस्स्द्ध ने लेड की मात्रा ज्यादा होने और एमएसजी लेबलिंग विवाद के कारण मैगी के बाजार से वापस मंगाने का आदेश दिया था। उस विवाद ने कंपनी की बिक्री और ब्रांड के भरोसे को भारी नुकसान पहुंचाया था, जिसे कंपनी ने सालों की मेहनत के बाद दोबारा हासिल किया है। ऐसे में सोशल मीडिया की शिकायत पर आया यह नया नोटिस कंपनी की साख के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल शिकायतों के बाद कार्रवाई– नेस्ले, केएफसी, फ्लिपकार्ट इंडिया और ओपन सीक्रेट को एक साथ जारी हुए नोटिसों से फूड सेफ्टी रेगुलेशन का एक नया पैटर्न दिखाई दे रहा है। अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल होने वाली उपभोक्ताओं की शिकायतें सीधे आधिकारिक रेगुलेटरी नोटिस में बदल रही हैं।

इससे किसी व्यक्तिगत शिकायत और कंपनी से मांगी जाने वाली आधिकारिक रिपोर्ट के बीच का समय बहुत कम हो गया है। भारत में काम कर रही खाद्य और क्विक सर्विस कंपनियों के लिए यह एक बड़ा ऑपरेशनल रिस्क (कामकाजी जोखिम) बन चुका है, जहां एक सिंगल वायरल पोस्ट कंपनी के लिए कानूनी और प्रतिष्ठा से जुड़ी मुश्किलें खड़ी कर सकती है।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

● टॉयलेट में टिशू पेपर पर लिखी मिली बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट की आज चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट, लखनऊ पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई। फ्लाइट हवा में ही थी, तभी टॉयलेट में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर बम लिखा था। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचना दी और इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। एटीसीने एयरपोर्ट अथॉरिटी और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया, फिर लैंडिंग की अनुमति दी। इसके बाद सुबह 11:15 बजे फ्लाइट (6ई-2111) को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। सभी 184 यात्रियों और उनके सामान को नीचे उतारा गया।करीब 3 घंटे तक चेकिंग चली। बम निरोधक दस्ता और अन्य एजेंसियों के जवानों ने फ्लाइट की जांच की। डॉग स्क्वायड ने यात्रियों के एक-एक सामान की चेकिंग की। हालांकि, किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद सभी यात्रियों को फ्लाइट में बैठा दिया गया। फ्लाइट दिल्ली के लिए 4.27 बजे रवाना हो गया।इसी फ्लाइट से पूर्व आईपीएस बीपी अशोक समेत कई लोगों को दिल्ली जाना था। यह फ्लाइट सुबह 9:30 बजे अहमदाबाद से आई थी। सुबह 10:45 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। हालांकि, इंडिगो ने फ्लाइट के उड़ान भरने से पहले ही सिक्योरिटी थ्रेट मिलने का दावा किया है।इंडिगो का दावा है कि नियम के अनुसार संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई और सुरक्षा जांच कराई गई। जांच पूरी होने के बाद विमान दिल्ली के लिए रवाना होगा।

कांग्रेस नेता नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, याचिका खारिज

● चुनाव याचिका दायर करने का विकल्प अभी भी कायम ● सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बोलीं- पहले वोट चोरी होती थी, इस बार सीट चोरी हुई ● मप्र कांग्रेस नेताओं की पुलिस से झड़प

नईदिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सीधे रिट याचिका नहीं सुनी जा सकती। अगर उन्हें फैसले पर आपत्ति है तो वे चुनाव याचिका दायर करें।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एएस चंदूरकर की बेंच ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 329 चुनाव प्रक्रिया में अदालतों के हस्तक्षेप को सीमित करता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट इस मामले में रिट पिटीशन पर सुनवाई नहीं कर सकता।नामांकन रद्द करने का फैसला सही था या गलत, अदालत ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। कोर्ट ने कहा-चुनाव से जुड़े ऐसे विवादों का समाधान चुनाव याचिका के जरिए किया जाना चाहिए। मीनाक्षी नटराजन चाहें तो चुनाव याचिका

दाखिल कर इस फैसले को चुनौती दे सकती हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश की तीसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था।

राष्ट्रपति भवन के लिए निकले नेताओं की पुलिस से झड़प

उधर, दिल्ली पहुंचे मध्य प्रदेश के कांग्रेस विधायकों ने राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकालने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी। कांग्रेस नेता इस पर चढ़ गए तो पुलिस से उनकी झड़प हो गई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत तमाम नेताओं को हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में सभी को रिहा कर दिया गया।

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले-
पीएम मोदी के निर्देश पर ये सब किया गया

सुप्रीम कोर्ट में मीनाक्षी की याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा– कोर्ट का तर्क है कि हमें पहले चुनाव आयोग, फिर हाई कोर्ट और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए। हालांकि, यह एक विशेष मामला है। जितना अधिक समय लगेगा, यह मामला उतना ही लंबा खिंचेगा। इसलिए हम चाहते थे कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में राहत दे।उन्होंने आगे कहा, कोर्ट ने ऐसा कहा है, इसलिए हम उसके निर्देशों के अनुसार हाई कोर्ट जाएंगे। हमारा मानना है कि यह कार्रवाई गैर-कानूनी, अनैतिक और लोकतंत्र विरोधी है। सरकार ने जो किया है, वह गलत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंजूरी या निर्देश के बिना इतने बड़े कदम नहीं उठाए जाते। उनके निर्देश पर ये सब हुआ।खड़गे ने आरोप लगाया– हमारा मानना है कि ये कदम कांग्रेस पार्टी को कमजोर करने और लोकतंत्र को कमजोर करने की एक बड़ी साजिश के तहत जानबूझकर उठाए जा रहे हैं। हमारी नजर में, इनका उद्देश्य विपक्ष को परेशान करना और उसकी आवाज को दबाना है।

शूटर जसपाल राणा का निधन

● कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 गोल्ड जीते, अपने कोच के निधन का पता चलते ही मनु भाकर ने ट्रेनिंग रोकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज शूटर जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। 1 जून को जर्मनी से लौटते समय फ्लाइट में 49 साल के राणा की तबीयत बिगड़ी थी। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके हार्ट में स्टेंट डाला गया था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट कालीकेश नारायण सिंह देव ने उनके निधन की पुष्टि की। जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 बार गोल्ड मेडल जीते थे। इनमें लगातार 4 एडिशन के गोल्ड शामिल रहे। राणा पेरिस ओलिंपिक में डबल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर के कोच भी थे। उन्हें फरवरी 2025 में 25 मीटर पिस्टल के लिए भारतीय जूनियर टीम का हाई परफार्मेंस कोच बनाया गया था।

फिरोजाबाद में शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव

● ई-1 कोच में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत कानपुर से दिल्ली जा रहे थे

कानपुर (एजेंसी)। फिरोजाबाद में संघ प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर गुरुवार शाम को पथराव हुआ। पत्थर सीधे उसी बोगी पर लगा, जिसमें वह बैठे थे। इससे खिड़की का शीशा टूट गया। भागवत कानपुर से शताब्दी एक्सप्रेस से नई दिल्ली जा रहे थे।

भागवत एग्जीक्यूटिव क्लास के ई-1 कोच में थे। ट्रेन जब मक्खनपुर-फिरोजाबाद के बीच से गुजर रही थी, तभी अचानक बोगी को निशाना बनाकर पत्थर फेंका गया। गनीमत रही कि इस पथराव में संघ प्रमुख सुरक्षित रहे।सुरक्षा को देखते हुए ट्रेन को बीच रास्ते में कहीं भी नहीं रोका गया। घटना की सूचना मिलते ही टूंडला जंक्शन पर रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के आला अधिकारी भारी फोर्स के साथ मुस्तैद हो गए।

शाम 7.34 बजे जैसे ही शताब्दी एक्सप्रेस टूंडला जंक्शन के प्लेटफॉर्म पर आकर रुकी, सुरक्षा घेरा बेहद सख्त कर दिया गया। टूंडला जंक्शन पर सुरक्षा जांच करने के बाद ट्रेन को शाम 7.41 बजे दिल्ली रवाना कर दिया गया। वहीं, आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीमों ने मक्खनपुर-फिरोजाबाद रेल खंड के आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया।

स्मृति-शैफाली ओपनर, जेमिमा नंबर 3

● पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए द्ब ने चुनी भारत की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत को अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ 14 जून को खेलना है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत जीत के साथ सीजन की शुरुआत करना चाहेगा और भारत की कोशिश होगी कि वो इस बार महिला वर्ल्ड कप टाइटल अपने नाम करे। हालांकि इंग्लैंड में हो रहे इस वर्ल्ड कप में भारत के लिए विनर बनना काफी चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन महिला वनडे वर्ल्ड कप जीत चुकी भारतीय टीम कमाल करने का दम रखती है।भारत का पहला मुकाबला ही पाकिस्तान के साथ है और इस मैच में टीम इंडिया किसी भी कीमत पर जीत दर्ज करना चाहेगी। भारत को जीत के कम शायद ही कुछ चाहिए होगा और इसके लिए उसे अपनी सबसे मजबूत प्लेइंग 11 के साथ मैदान पर उतरना होगा।पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के लिए भारत की सबसे मजबूत प्लेइंग इलेवन क्या हो सकता है इसके बारे में एआई (गूगल जेमिनी) ने बताया।

भारत का कार्यक्रम

- 14 जून, पाकिस्तान, शाम 7 बजे से
- 17 जून, नीदरलैंड्स, शाम 7 बजे से
- 21 जून, दक्षिण अफ्रीका, शाम 7 बजे से
- 25 जून, बांग्लादेश, शाम 7 बजे से
- 28 जून, आस्ट्रेलिया, शाम 7 बजे से

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की प्लेइंग 11 – गूगल जेमिनी के मुताबिक पाकिस्तान के खिलाफ भारत की तरफ से पारी की शुरुआत स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा करेंगी जो ते शुरुआत के लिए जानी जाती हैं। हालांकि इनका फॉर्म टीम इंडिया के लिए चिंता का विषय इस वक्त जरूर है। बैटिंग क्रम में तीसरे नंबर पर जेमिमा होंगी जबकि इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर चौथे स्थान पर होंगी। पांचवें नंबर पर ऋचा घोष होंगी जो टीम में फिनिशर के भूमिका में होंगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 शुरु

जूलियन ने रचा इतिहास, दागा सबसे तेज गोल

पहले मैच में मेक्सिको ने साउथ अफ्रीका को हराया

जूलियन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच के आठवें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। यह फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी ओपनिंग मैच में किया गया अब तक का सबसे तेज गोल रहा।

मैक्सिको (एजेंसी)। फीफा वल्ड कप 2026 की शुरुआत हो चुकी है और इस टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में मेक्सिको ने साउथ अफ्रीका को 2-0 के अंतर से हरा दिया। घरेलू टीम के लिए ये एक बड़ी जीत रही क्योंकि इससे ग्रुप ए के राउंड ऑफ 32 में क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें बढ़ गई। इस मुकाबले में मेक्सिको का खेल काफी अटैकिंग था वहीं जूलियन क्विनोन्स ने अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। जूलियन क्विनोन्स ने इस मैच के दौरान एक ऐसा रिकॉर्ड भी बनाया जो 96 साल के फीफा वर्ल्ड कप की शुरुआत के बाद से अब तक कोई खिलाड़ी नहीं बना पाया था। जूलियन क्विनोन्स ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच के 8वें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। उन्होंने अफ्रीकी टीम के डिफेंस की एक बड़ी गलती का फायदा उठाया और बॉक्स के ठीक बाहर से एक जबरदस्त शॉट मारकर सीधे गोल किया। ये फीफा वर्ल्ड कप 2026 का पहला गोल था।

जूलियन ने रचा इतिहास

इस गोल के साथ जूलियन क्विनोन्स फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी सीजन में पहला गोल करने वाले नॉर्थ अमेरिकन देश के पहले खिलाड़ी बन गए। दरअसल मेक्सिको एकमात्र नॉर्थ अमेरिकन देश है जिसने फीफा वर्ल्ड कप का ओपनिंग मैच खेला है। उन्होंने पिछले एडिशन (1930, 1950, 2010) में भी ऐसा किया था लेकिन तीनों मौकों पर वे मैच का पहला गोल करने में कामयाब नहीं हो पाए थे।

जूलियन ने दागा सबसे तेज गोल– जूलियन क्विनोन्स ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ गोल करके एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने मैच के आठवें मिनट में मेक्सिको के लिए पहला गोल किया। यह फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में किसी भी ओपनिंग मैच में किया गया अब तक का सबसे तेज गोल रहा। इस मेक्सिकन विंगर ने जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी फिलिप लैम का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2006 फीफा वर्ल्ड कप में बोलीविया के खिलाफ 11वें मिनट में पहला गोल किया था।

जीत के साथ दक्षिण कोरिया का आगाज

रोमांचक मुकाबले में चेकिया को 2-1 से हराया

नई दिल्ली । फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत साउथ कोरिया ने जीत के साथ की है। रोमांच के भरपूर मुकाबले में टीम ने चेकिया को 2-1 से हराया। साउथ कोरिया ने मैच के दूसरे हाफ में 1-0 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। मैच के आगाज के साथ ही साउथ कोरिया और चेकिया की टीम को शुरुआत में गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन दोनों ही टीमें इस भुनाने में नाकाम रहीं। मैच के 9वें मिनट में साउथ कोरिया के पास मिली फ्री किक से बढ़त बनाने का शानदार मौका था, लेकिन चेकिया के डिफेंस ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। 11वें मिनट में साउथ कोरिया की टीम कॉर्नर का भी फायदा उठाने में नाकाम रही। पहले हाफ में कोरिया ने चेकिया के डिफेंस पर दबाव तो खूब डाला, लेकिन उनके डिफेंस को भेदने में नाकाम रहे। चेकिया को पहले हाफ में दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत से ही चेकिया ने आक्रामक खेल दिखाया और टीम को मैच के 59वें मिनट में सफलता हाथ लगी। लाडिसलाव

क्रेजकी ने बेहतरीन हेडर के जरिए शानदार गोल करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

हालांकि, 0-1 से पिछड़ने के बाद साउथ कोरिया ने मैच में शानदार वापसी की। 67वें मिनट में हांग इन बियोम ने टीम की ओर से पहला गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद 80वें मिनट में ओह हियोन ग्यू ने साउथ कोरिया को मुकाबले में लीड दिला दी।

मैच में 2-1 की बढ़त बनाने के बाद साउथ कोरिया ने चेकिया को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया।

वास्तु अनुसार इन 7 कार्यों को करने से दुर्भाग्य रहेगा परिवार से दूर

वास्तु अनुसार घर में नकारात्मकता या नजर दोष गृह क्लेश का कारण बन सकता है। जिसके चलते छोटी-छोटी बातों पर परिवार में मनमुटाव बना रहता है। ऐसे में वास्तु के कुछ सरल उपायों से पुरानी नकारात्मकता और नजर दोष को दूर कर सकते हैं। जिससे घर में सुख-शांति बनी रहती है और बेडलक दूर रहता है। वास्तुशास्त्र में कुछ ऐसे उपाय और टिप्स बताए गए हैं जिन्हें करने से घर-परिवार में सुख शांति बनी रहती है और साथ ही, बेडलक दूर होता है। कई बार सबकुछ ठीक चलते हुए अचानक घर में लगातार परेशानियां आने लगती हैं, बनते काम रुक जाते हैं और घर की सुख-शांति भी भंग होने लगती है। मान्यता है कि ऐसा घर में मौजूद नकारात्मकता या नजर दोष के चलते हो सकता है। ऐसे में वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि वास्तु अनुसार कुछ विशेष कार्यों को करने से घर की पुरानी नकारात्मकता और नजर दोष को दूर किया जा सकता है। जिससे घर में सुख-शांति आती है और दुर्भाग्य दूर रहता है। आइए विस्तार से जानें घर में सुख-शांति के उपाय।

मुख्य द्वार पर बनाएं स्वास्तिक

अगर घर-परिवार में छोटी-छोटी बातों पर आपसी मनमुटाव बना रहता है तो ऐसा नकारात्मकता या नजर दोष के चलते हो सकता है। वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, इसके लिए अपने घर के मुख्य द्वार पर सिंदूर से स्वास्तिक बनाएं। इस उपाय को करने से घर के अंदर नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती है। साथ ही, इससे सकारात्मकता बढ़ती है और धीरे-धीरे घर-परिवार में भी आपको इस उपाय का लाभ नजर आने लगेगा।

टपकता हुआ नल कराएं ठीक

अगर आपके घर में किचन, बाथरूम या किसी भी स्थान के नल से पानी टपकता रहता है, तो उसे तुरंत ठीक करवा लें। यह भी घर से सुख-समृद्धि और शांति जाने का कारण हो सकता है। क्योंकि, वास्तुशास्त्र में पानी की बर्बादी को धन बहने का प्रतीक माना गया है। ऐसे में नल ठीक करवाने से फिजूलखर्ची कम होने लगती है और परिवार से दुर्भाग्य दूर होता है।

हाथी की मूर्ति रखें

घर से बेडलक दूर करने के लिए वास्तु अनुसार घर में कुछ चीजों को रखना बेहद शुभ माना जाता है। इन्हीं में से एक हाथी की मूर्ति रखना। मान्यता है कि घर के अंदर मुख किए हुए पीतल के हाथी का जोड़ा दक्षिण-पश्चिम कोने में रखना चाहिए। इस उपाय को करने से परिवार के लोगों में आपसी प्रेम बढ़ता है। साथ ही, यह बेडलक को भी दूर करता है।

नमक के पानी से लगाएं पोछा

अपने घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए हफ्ते में दो या तीन बार पानी में खड़ा नमक या समुद्री नमक मिलाकर उससे पोछा लगाएं। नमक वाले पानी से पोछा लगाने से आसपास के वातावरण से पुरानी नकारात्मकता दूर होती है। साथ ही, घर-परिवार का माहौल शांतिपूर्ण बना रहता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें गुरुवार के दिन नमक वाला पोछा घर में नहीं लगाना चाहिए।

पानी के बर्तन से करें यह उपाय

घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए वास्तुशास्त्र में कई उपाय और टिप्स बताए गए हैं। इसके लिए आप एक मिट्टी या कांच के बर्तन में पानी भर लें और उसमें ताजे फूल डालें। इस पानी के बर्तन को उठाकर अपने मुख्य द्वार पर रख दें। मान्यता है कि ये घर में आने वाली नकारात्मकता को सोख लेती है जिससे बुरी और नकारात्मक ऊर्जा से घर-परिवार का बचाव होता है।

घर में कपूर जलाएं

यदि कार्यों में बाधाएं आ रही हैं या तनाव बना रहता है, तो इसके लिए हर शाम कपूर एक छोटा उपाय कर सकते हैं। इसके लिए नियमित रूप से शाम के समय अपने घर के हर कोने में एक कपूर जरूर जलाएं। साथ ही, अपने बेडरूम में भी एक कपूर जरूर जलाकर रखें। यह तनाव को कम करने में सहायक होता है और साथ ही, इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

घर में छिड़कें पीली सरसों

अगर आपको घर में नजर दोष लगने की आशंका है तो इसके लिए पीली सरसों का उपाय कर सकते हैं। गुरुवार के दिन अपने घर के चारों तरफ थोड़ी सी पीली सरसों लेकर छिड़क दें। इस उपाय को करने से नजर दोष दूर होने लगती है। साथ ही, रुके हुए कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होने लगती हैं और काम तेजी से बनने शुरू हो सकते हैं।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार में सौम्यता बनाए रखने के लिए रहेगा। आपको परिवार में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आप घबराएंगे नहीं। परिवार में कोई शुभ और मांगलिक कार्यक्रम होने से परिवार के सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी और ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से यदि धन उधार लेंगे, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे।

वृषभ आज का दिन आपके लिए सेहत के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको कोई पुरानी समस्या के बढ़ने से आपको डॉक्टर के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। आपका कोई पुराना लेन-देन चुकता होगा। यदि आप काम को लेकर कोई बैंक लोन ले रहे हैं, तो वह भी आपको आसानी से मिल जाएगा। आपको अपने व्यवसाय के कामों में कोई बदलाव बहुत ही सोच समझकर करने की आवश्यकता है।

मिथुन आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपनी किसी गलती को छुपाने के लिए कार्यक्षेत्र में कोई झूठ बोल सकते हैं, जो आपके सामने आ सकता है। आपके मन में उलझनें रहने से आप परेशान रहेंगे। आप किसी से मांगकर वाहन न चलाएं, क्योंकि अवसमात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आप अपने किसी दूर रहे परिजन से फोन कॉल के जरिए कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है।

कर्क आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप कोई कदम बहुत ही सोच समझकर उठाएं। यदि आपको शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करना है, तो उसके लिए आपको मार्केट की चालों को ध्यान में रखकर इन्वेस्टमेंट करना बेहतर रहेगा। आपकी संतान आपको किसी नई चीज की फरमाइश कर सकती है। आपको धन को लेकर यदि कोई काम रुका हुआ था, तो वह पहले पूरा होगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेंगी

सिंह आज का दिन आपके लिए अवसमात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेंगी। आपकी अपने भाई बहनों से भी प्रॉपर्टी को लेकर कोई वाद-विवाद हो, तो उसमें आप अपने पिताजी से सलाह मशवरा अवश्य करें। आप किसी नए घर आदि की खरीदारी कर सकते हैं। आप अपनी इनकम को बढ़ाने के सोर्सों पर पूरा ध्यान देंगे। आपका कोई पुराना लेनदेन यदि ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से चल रहा था, तो उसे भी आप आसानी से दूर करने की कोशिश करेंगे।

कन्या आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आप कामों को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे। दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी। सरकारी काम यदि आपका रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत खराब रहेगी। जो आपकी टेंशनों का कारण बनेगी। आपके परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है। आपको परिवार में बड़े बुजुर्गों की सेवा करने के लिए भी कुछ समय निकालना होगा।

तुला आज का दिन आपके लिए आय के सोर्सों को बढ़ाने वाला रहेगा। आपका डूबा धन आपको मिल सकता है और प्रॉपर्टी में आप थोड़ा सोच समझकर कदम बढ़ाएं। आपके साथ कोई धोखा होने की संभावना है। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। संतान को आप किसी नए कोर्स में दाखिला दिलाएंगे। आपकी अपने बॉस से किसी बात को लेकर झड़प हो सकती है, जिसका असर आपके कामों पर भी पड़ेगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को ढील बिल्कुल ना दें।

वृश्चिक आज आपको कोई निर्णय बहुत ही सोच समझकर लेना होगा। परिवार में यदि कोई वाद-विवाद लंबे समय से पैर पसारे हुआ था, तो उसके लिए आप अपने वरिष्ठ सदस्यों से बातचीत कर सकते हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। धार्मिक कामों के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको अपने परिवार के सदस्यों को लेकर किसी पिकनिक पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं, लेकिन आप उसमें एकजुटता बनाए रखें।

धनु आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप दोस्तों के साथ कुछ समय कहीं घूमने फिरने जा सकते हैं। आप जीवनसाथी के लिए कोई सरप्राइज पार्टी प्लान कर सकते हैं। आपके ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से कोई भी ऐसी बात ना बोलें, जिससे कि आपके आपसी रिश्ते खराब हो। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको अपनी इनकम को लेकर थोड़ा सावधान रहना होगा। किसी अजनबी से कोई लेनदेन ना करें।

मकर आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। यदि आप किसी संपत्ति की खरीद फरोख्त की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा पूरी होगी और किसी कानूनी मामले में भी आपको जीत मिलेगी। आप अपने परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को लेकर परेशान रहेंगे। आप अपने पिताजी से कामों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

कुंभ आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जिसमें आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आपको संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। आप किसी गलत काम की तरफ अग्रसर हो सकते हैं। आप अपने बॉस की किसी गलत बात पर हां में हां ना मिलाएं। आपको परिवार में किसी सदस्य से बेवजह की बहस हो सकती है।

मीन आज का दिन आपके लिए निराशाजनक रहने वाला है। आपको बिजनेस में नुकसान होने से आपका मन परेशान रहेगा। संतान को किसी नई नौकरी के मिलने से वहीं बाहर जा सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई को लेकर थोड़ा ध्यान देना होगा। आपको अपने आसपास रह रहे शत्रुओं से भी सावधान रहने की आवश्यकता है। आपका कोई काम पूरा होते होते रह सकता है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा। माताजी से यदि आप कोई वादा करें, तो आपको उसे समय रहते पूरा करना होगा।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
T.S.Chandwani
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
24 Hours Room service available
Lodging and Boarding
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
+ Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
+ Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,
(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

नेस्को ड्रग्स पार्टी केस : दो आयोजकों को हाईकोर्ट से मिली जमानत

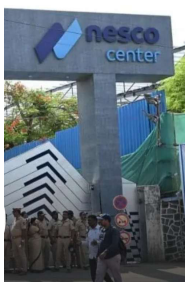

मुंबई (नि.स.)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर गोरेगांव स्थित नेस्को सेंटर में आयोजित म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग्स ओवरडोज से दो छात्रों की मौत के मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों को बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस मामले में कार्यक्रम के सह-आयोजक रहे नेस्को लाइव इवेंट्स कंपनी के उपाध्यक्ष बालकृष्ण कुरूप और प्रबंधक सनी जैन को एक-एक लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी है। दोनों आरोपियों ने दावा किया था कि उनका ड्रग्स मामले से कोई सीधा संबंध नहीं है और इसी आधार पर उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति श्याम चांडक ने याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था।

शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया दोनों आरोपियों का ड्रग्स तस्करी या सेवन से सीधे तौर पर संबंध साबित नहीं होता है। हालांकि कोर्ट ने जमानत देते समय कई शर्तें भी लगाईं। दोनों आरोपी अदालत की अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ सकेंगे। जांच अधिकारी द्वारा बुलाए जाने पर उन्हें पूछताछ में उपस्थित होना होगा। साथ ही उन्हें किसी भी साक्ष्य से छेड़छाड़ न करने, गवाहों को प्रभावित न करने और जांच में पूरा सहयोग देने का निर्देश दिया गया है।

- राज्य सरकार ने किया कड़ा विरोध

महाराष्ट्र सरकार की ओर से सरकारी वकील शिशिर हिरे ने जमानत का कड़ा विरोध किया। उन्होंने अदालत को बताया कि जांच में ऐसे सबूत मिले हैं जिनसे संकेत मिलता है कि अमेरिका और जर्मनी से एक्स्टसी जैसी मादक गोलियां मुंबई लाई गई थीं और इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स नेटवर्क की भूमिका हो सकती है। सरकार का तर्क था कि जांच अभी जारी है, इसलिए इस स्तर पर आरोपियों को जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

- क्या है पूरा मामला?

11 अप्रैल को गोरेगांव स्थित नेस्को सेंटर के हॉल नंबर-5 में एक बड़े म्यूजिक कॉन्सर्ट का आयोजन किया गया था। आरोप है कि कुछ छात्रों ने पार्टी के दौरान एमडी और एमए जैसे नशीले पदार्थों का सेवन किया। अत्यधिक मात्रा में ड्रग्स लेने के कारण तीन छात्रों की तबीयत बिगड़ गई। इस घटना में 28 वर्षीय युवक और 24 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जबकि एक अन्य छात्रा की हालत कई दिनों तक गंभीर बनी रही।

कांग्रेस में एनसीपी (शरद पवार) के विलय की अटकलें तेज

नाना पटोले के बयान से बढ़ी राजनीतिक हलचल

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़े राजनीतिक फेरबदल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। कुछ दिन पहले दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस गुटों (एनसीपी) के संभावित विलय की अटकलों को सांसद सुप्रिया सुले ने खारिज कर दिया था। इसके बाद अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के कांग्रेस में विलय की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। इस बीच कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नेता नाना पटोले के एक बयान ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। दरअसल नाना पटोले ने शुक्रवार को कहा कि एनसीपी (शरद पवार) के कांग्रेस में विलय का प्रस्ताव पहले ही दिया जा चुका था। उनके अनुसार, यह प्रस्ताव शरद पवार की ओर से आया था, लेकिन कुछ कारणों से इस पर निर्णय लेने में देरी हुई। पटोले ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में धर्मनिरपेक्ष मतों का बंटवारा रोकना जरूरी है और संविधान तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा के लिए समान विचारधारा वाले दलों को एक मंच पर आने की आवश्यकता है।

- क्यों तेज हुई विलय की चर्चा?

हाल ही में इंडिया गठबंधन की बैठक में कांग्रेस और उससे अलग होकर बने क्षेत्रीय दलों की भविष्य की राजनीतिक भूमिका पर चर्चा हुई थी। इसके बाद राजनीतिक हलकों में यह चर्चा शुरू हुई कि विपक्षी दल आगामी चुनावी चुनौतियों को देखते हुए बड़े स्तर पर एकजुटता की रणनीति बना सकते हैं। इसी पृष्ठभूमि में यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि एनसीपी (शरद पवार) भविष्य की राजनीतिक अनिश्चितताओं से बचने के लिए कांग्रेस के साथ और अधिक निकटता बढ़ाने पर विचार कर सकती है।

- संजय राउत ने भी दिया संकेत

शिवसेना सांसद संजय राउत ने भी कहा कि कांग्रेस से अलग होकर बने दलों और नेताओं को वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए फिर से एकजुट होने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में कांग्रेस को एक मजबूत और सक्षम विकल्प के रूप में खड़ा करने के लिए सभी समान विचारधारा वाली शक्तियों का साथ आना आवश्यक है। राउत ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया में शरद पवार को पहल करनी चाहिए।

- कांग्रेस में विलय का कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं दिया गया- शशिकांत शिंदे

इस बीच विलय की चर्चाओं के बीच एनसीपी (शरद पवार) के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने स्पष्ट किया कि पार्टी की ओर से कांग्रेस में विलय का कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरों में फिलहाल कोई सच्चाई नहीं है। हालांकि, सुप्रिया सुले ने इस मुद्दे पर पूरी तरह से दरवाजा बंद नहीं किया। उन्होंने कहा कि संजय राउत द्वारा दिए गए सुझाव पर विचार किया जाएगा और पार्टी से जुड़े सभी अंतिम निर्णय शरद पवार ही लेंगे।

- एनसीपी और कांग्रेस का पुराना रिश्ता

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की स्थापना 10 जून 1999 को कांग्रेस से अलग होकर की गई थी। इसके बावजूद दोनों दलों की वैचारिक समानता बनी रही और 1999 से लेकर अधिकांश चुनाव दोनों दलों ने गठबंधन में लड़े। महाराष्ट्र में भी लंबे समय तक दोनों दल सत्ता में साझेदार रहे। हालांकि तीन वर्ष पहले एनसीपी में विभाजन हुआ, जिसके बाद शरद पवार का गुट महाविकास आघाड़ी के साथ रहा, जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाला गुट महायुति में शामिल हो गया

- राजनीतिक नजरें भविष्य पर

फिलहाल कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) दोनों की ओर से किसी संभावित विलय की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिर भी नाना पटोले, संजय राउत और सुप्रिया सुले के बयानों के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में नई संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह केवल राजनीतिक अटकलें हैं या फिर महाराष्ट्र की राजनीति में कोई बड़ा पुनर्गठन देखने को मिलेगा। फिलहाल राज्य का राजनीतिक वर्ग इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

मुंबई मनपा जन्म प्रमाणपत्र घोटाला : 19,734 फर्जी प्रमाणपत्र रद्द

एसआईटी जांच शुरू, 4 अधिकारी निलंबित

मुंबई (नि.स.)। मुंबई महानगर पालिका में जन्म प्रमाणपत्रों से जुड़ा एक बड़ा और चौंकाने वाला घोटाला सामने आया है। शुरुआती जांच में कुल 19,734 जन्म प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने इन सभी प्रमाणपत्रों को रद्द करने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया है। दरअसल स्वास्थ्य सेवा संचालनालय की जांच में यह पाया गया कि मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में 'सुधार' या 'स्पेलिंग करेक्शन' के नाम पर बड़े पैमाने पर जन्म प्रमाणपत्र जारी किए गए थे। जांच में इन प्रक्रियाओं में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद पूरे मामले को फर्जीवाड़े के रूप में देखा गया। जिसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने इस मामले में सख्त कदम उठाते हुए 19,734 जन्म प्रमाणपत्र रद्द करने का प्रस्ताव मंजूर किया और पूरे मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया तथा अब तक 4 मेडिकल/स्वास्थ्य अधिकारियों को निलंबित किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह फैसला सभी दस्तावेजों और प्रक्रियाओं की विस्तृत जांच के बाद लिया गया है।

स्वास्थ्य सेवा संचालनालय, पुणे ने मुंबई जिला रजिस्ट्रार को निर्देश दिए हैं कि इन सभी संदिग्ध प्रमाणपत्रों की वैधता की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए। अब एसआईटी इस पूरे घोटाले की गहराई से जांच करेगी और यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि फर्जी प्रमाणपत्र कैसे जारी किए गए और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे। बहरहाल इस मामले ने मुंबई महानगरपालिका की प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और आगे और खुलासों की संभावना जताई जा रही है।

दूध के धुले नहीं हैं नेता, हर विभाग में है नालायकी!

-गणेश नाईक का बेबाक अंदाज

नवी मुंबई (नि.स.)। अक्सर राजनेता अपने बयानों में संभलकर बोलना पसंद करते हैं, लेकिन नवी मुंबई में एक अलग ही नजारा देखने को मिला. अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाने वाले कद्दावर नेता गणेश नाईक ने इस बार प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ खुद अपनी ही बिरादरी यानी राजनेताओं को भी आड़े हाथों ले लिया. उन्होंने साफ-साफ शब्दों में कहा कि हर विभाग में कुछ न कुछ नालायकी जरूर होती है और राजनेता भी इसके अपवाद नहीं हैं।

अधिकारियों की सुस्ती पर भी बोले

दरअसल, गणेश नाईक ने नवी मुंबई में एक विशेष 'जनता दरबार' का आयोजन किया था, जहाँ वे आम जनता की शिकायतों और समस्याओं को सुन रहे थे. इस दौरान लोगों की तकलीफें देखकर उन्होंने न सिर्फ राजनीतिक बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर भी खुलकर टिप्पणी की. उन्होंने कहा कि पहले की तुलना में अब अधिकारियों के कामकाज में थोड़ा सुधार दिख रहा है और उनकी पुरानी सुस्ती कुछ हद तक कम होती नजर आ रही है. सभी अधिकारी अब बेहतर तरीके से काम करने की कोशिश में जुटे हैं।

'सारे राजनेता दूध के धुले नहीं'

प्रशासन की बात करते-करते गणेश नाईक का रुख राजनीति की तरफ मुड़ गया. उन्होंने बिना किसी झिझक के स्वीकार किया कि अव्यवस्था के लिए सिर्फ अधिकारी ही नहीं, बल्कि नेता भी जिम्मेदार हैं. उन्होंने कहा, हर विभाग में नालायकी का एक हिस्सा होता है और कुछ राजनेता भी इससे अलग नहीं हैं. सभी राजनेता पूरी तरह से शुद्ध दूध की तरह साफ नहीं हैं। एक जिम्मेदार मंच से खुद राजनेताओं को लेकर दिया गया यह कड़वा सच अब सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में जमकर सुर्खियां बटोर रहा है. नाईक के इस 'हटके' और बेबाक बयान ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि काश बाकी नेता भी इसी तरह आत्ममंथन करना सीखें।

राष्ट्रीय धरोहर का अपमान नहीं सहेगा भारत

प्राचीन वैज्ञानिक आर्यभट्ट के उपहास पर अमेजन इंडिया को कानूनी नोटिस

मुंबई (सनी पांडेय)। व्यावसायिक मुनाफे की अंधी दौड़ में भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय प्रतीकों को निशाना बनाने वाली दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया एक बार फिर बड़े कानूनी विवाद और जनता के भारी आक्रोश के घेरे में आ गई है. प्राचीन भारत के युगपुरुष, महान गणितज्ञ और खगोलशास्त्री आर्यभट्ट का अपने एक विज्ञापन में अत्यंत आपत्तिजनक और व्यंग्यात्मक ढंग से उपहास उड़ाने के मामले में कंपनी को 48 घंटे का कड़ा कानूनी नोटिस थमाया गया है. सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता अमिता सचदेवा के माध्यम से यह नोटिस हिंदू जनजागृति समिति द्वारा भेजा गया है, जिसमें स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि अमेजन ने निर्धारित समय सीमा के भीतर देश से बिना शर्त सार्वजनिक माफी नहीं मांगी और इस विवादित विज्ञापन को तुरंत वापस नहीं लिया, तो उसके खिलाफ फौजदारी और दीवानी मुकदमा दर्ज कर अदालत में घसीटा जाएगा. इस अपमानजनक कृत्य को लेकर देश भर के राष्ट्र-प्रेमी नागरिकों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और सोशल मीडिया पर अमेजन का बहिष्कार करो अभियान पूरी ताकत से ट्रेंड कर रहा है।

यह पूरा विवाद अमेजन नाऊ सेवा के एक नए प्रचार अभियान से उपजा है. इस विज्ञापन में आर्यभट्ट की वेशभूषा में सजे एक व्यक्ति को बेहद मजाकिया और फूहड़ ढंग से "जीरो डिलीवरी चार्ज खोजने वाले वैज्ञानिक" के रूप में पेश किया गया है. कानूनी नोटिस में इस पर तीखी आपत्ति जताते हुए कहा गया है कि जिस महान ऋषि-तुल्य वैज्ञानिक ने पूरी दुनिया को शून्य की अमूल्य गणितीय अवधारणा देकर वैश्विक पटल पर भारत को वैज्ञानिक क्षमता का लोहा मनवाया, उन्हें कंपनी महज द्वार अपनी व्यावसायिक बिक्री बढ़ाने के लिए एक अदना सा 'कॉपीरेट मस्कट' बना देना और उनका मजाक उड़ाना भारत की समृद्ध ज्ञान-विरासत और राष्ट्रीय अस्मिता पर सीधा और जानबूझकर किया गया प्रहार है।

अधिवक्ता और समिति ने ध्यान दिलाया है कि अमेजन का भारतीय संस्कृति, हिंदू प्रतीकों और महापुरुषों का अपमान करने का यह कोई पहला मामला नहीं है, बल्कि इसका एक पुराना और विवादित इतिहास रहा है. इससे पहले भी इस ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर हिंदू देवी-देवताओं, जैसे भगवान गणेश और माता लक्ष्मी के चित्रों वाले पायदान और टॉयलेट सीट कवर बेचने का दुस्साहस किया गया था, साथ ही 'तांडव' वेब सीरीज के जरिए भी करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई गई थी, जिसके बाद चौतरफा विरोध के आगे झुककर कंपनी को माफी मांगनी पड़ी थी. नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि केवल व्यावसायिक मुनाफे के लिए देश की महान विभूतियों का बार-बार इस तरह अपमान करना संशोधित भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 (धार्मिक भावनाएं आहत करना), धारा 196 व 197 (समाज में वैमनस्य फैलाना और राष्ट्रीय अखंडता को बाधित करना) तथा धारा 302 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा) के तहत सीधे तौर पर गंभीर आपराधिक कृत्य की श्रेणी में आता है।

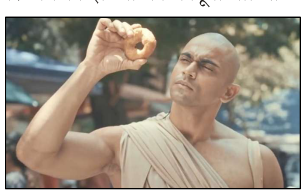

इस बेहद संवेदनशील मामले की पृष्ठभूमि में हिंदू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता रमेश शिंदे ने अमेजन के सामने अपनी सख्त शर्तें रखते हुए अल्टीमेटम दिया है कि 'आर्यभट्ट-अमेजन नाऊ' वाले इस शर्मनाक विज्ञापन को यूट्यूब, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर) और टेलीविजन सहित सभी डिजिटल व इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म से स्थाई रूप से 48 घंटे के भीतर हटा लिया जाए, इसके साथ ही, अमेजन इंडिया को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल, अपनी वेबसाइट के होमपेज और देश के तमाम अग्रणी समाचार पत्रों में हिंदू समाज व भारतीय संस्कृति से बिना शर्त सार्वजनिक माफीनामा प्रकाशित करना होगा. समिति ने यह भी मांग की है कि कंपनी भविष्य में भारत के किसी भी राष्ट्रीय प्रतीक, महापुरुष या धार्मिक भावना का अपमान न करने का एक लिखित वचन पत्र भी सौंपे, अन्यथा कानूनी समन का सामना करने के लिए तैयार रहे।

एसटी कर्मचारियों को बड़ी राहत : महंगाई भत्ता 58% किया गया

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल (एसटी) के कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। राज्य सरकार ने एसटी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है। अब कर्मचारियों को 53 प्रतिशत के बजाय 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। यह घोषणा राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने की। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि एसटी कर्मचारियों की लंबे समय से यह मांग थी कि उन्हें भी राज्य सरकारी कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता दिया जाए। इसी मांग को ध्यान में रखते हुए विभागीय बैठक में यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि अभी तक एसटी कर्मचारियों को 53 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जा रहा था, जबकि राज्य सरकार के कर्मचारियों को 58 प्रतिशत डीए मिल रहा था। इस असमानता के कारण एसटी कर्मचारी नाराज थे। अब इस अंतर को समाप्त करते हुए एसटी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता भी 58 प्रतिशत कर दिया गया है।

- 100 करोड़ रुपये की बकाया राशि भी मिलेगी

मंत्री सरनाईक ने बताया कि एसटी कर्मचारियों की करीब 100 करोड़ रुपये की बकाया राशि भी लंबित थी। सरकार ने इस बकाया भुगतान को जारी करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों को पूरा करने के लिए परिवहन विभाग सकारात्मक रुख अपनाए हुए है और भविष्य में भी चरणबद्ध तरीके से अन्य मांगों पर विचार किया जाएगा। इस अवसर पर परिवहन मंत्री ने एसटी कर्मचारी संगठनों से प्रस्तावित आंदोलन वापस लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि महामंडल की आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही है और कर्मचारियों की जायज आर्थिक मांगों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन के कारण आम यात्रियों को परेशानी नहीं होनी चाहिए क्योंकि एसटी सेवा राज्य के लाखों लोगों की जीवनरेखा है। इसलिए कर्मचारियों और संगठनों को यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा से बचाना चाहिए।

- घाटे वाले मार्गों पर भी होगा पुनर्विचार

परिवहन मंत्री सरनाईक ने बताया कि एसटी महामंडल की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। घाटे में चल रहे मार्गों की समीक्षा करने और आवश्यकता पड़ने पर ऐसे मार्गों को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी नई योजनाओं पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और मुख्यमंत्री लगातार एसटी महामंडल की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं तथा कर्मचारियों और यात्रियों दोनों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिए जा रहे हैं।

ओवरलोडेड गाड़ी पकड़ी तो आरटीओ अफसर को पीटा, पहुंचा हवालात

नवी मुंबई (नि.स.)। नवी मुंबई के तलोजा औद्योगिक क्षेत्र में कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. क्षमता से अधिक माल लादकर सड़कों पर दौड़ रहे एक वाहन पर जब आरटीओ अधिकारियों ने कानूनी डंडा चलाया, तो खुद को एक राजनीतिक दल का पदाधिकारी बताने वाले शख्स ने खाकी का खौफ भूलकर सीधे अधिकारी पर ही हाथ साफ कर दिया. सरकारी काम में रोड़ा अटकाने, मारपीट करने और झूठे केस में फंसाने की धमकी देने वाले इस कथित नेताजी को पुलिस ने दबोच कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

यह पूरा हाई-वोल्टेज ड्रामा बुधवार की शाम तलोजा इंडस्ट्रियल एरिया में एपकोटैक्स कंपनी के सामने मुख्य सड़क पर हुआ. प्रादेशिक परिवहन विभाग (आरटीओ) का फ्लाइंग स्क्वाड रोजाना की तरह गाड़ियों की चेकिंग कर रहा था. इसी दौरान टीम ने एमएच-46-एफ-2641 नंबर के एक वाहन को रोका. जब वजन की जांच हुई तो पता चला कि गाड़ी में तय सीमा से पूरे चार टन ज्यादा माल लदा हुआ था. आरटीओ अधिकारियों ने जब गाड़ी की कुंडली खंगालनी शुरू की, तो उसमें कमियों का अंबार मिला. इस वाहन का मार्च 2023 से टैक्स ही नहीं भरा गया था. इसके अलावा गाड़ी का पीयूसी, इंश्योरेंस, फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट और नेशनल परमिट अथॉरिटी की वैलिडिटी भी काफी समय पहले ही दम तोड़ चुकी थी।

नियमों की धज्जियां उड़ाने वाली गाड़ी पर कार्रवाई करते हुए आरटीओ की टीम ने ई-चालान के जरिए 50 हजार 500 रुपये का भारी-भरकम जुर्माना ठोक दिया. बस, यही कार्रवाई वाशी के जुहू गांव में रहने वाले 25 वर्षीय नितिन रॉय को इतनी नागवार गुजरी कि उसका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया. वह सीधे आरटीओ अधिकारियों से उलझ गया और उनके साथ बदतमीजी करते हुए मारपीट पर उतारू हो गया. इतना ही नहीं, आरोपी ने अधिकारियों को डराने के लिए उन्हें जातिसूचक गालियों के झूठे मामले में फंसाने की धमकी तक दे डाली. सरकारी अधिकारी पर हमले की खबर मिलते ही तलोजा पुलिस स्टेशन के उपनिरीक्षक अजयकुमार मोहिते अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रौब झाड़ रहे नितिन रॉय को हिरासत में ले लिया. थाने पहुंचने पर भी आरोपी ने खुद को एक राजनीतिक दल का बड़ा नेता बताकर पुलिस पर धौंस जमाने की कोशिश की, लेकिन कानून के आगे उसकी एक न चली. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस उपनिरीक्षक मोहिते ने बताया कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उसे सोमवार तक के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है. फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मुंबई (नि.स.)। मुंबई मनपा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में लापरवाही बरतने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। मनपा के अतिरिक्त आयुक्त एवं अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी विपिन शर्मा ने निर्देश दिया है कि ड्यूटी पर अनुपस्थित रहने वाले बीएलओ के खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में शिकायत दर्ज कराई जाए। दरअसल मनपा प्रशासन को जानकारी मिली थी कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य के लिए नियुक्त कई बीएलओ बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद अब तक अपनी ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हुए हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरो) को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मनपा मुख्यालय में शहर और उपनगरों में चल रहे एसआईआर अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त एवं अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी विपिन शर्मा ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण में मैपिंग, तार्किक त्रुटियों और बीएलओ की अनुपस्थिति अत्यंत संवेदनशील मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जानी चाहिए। किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बेटे ने पिता पर किया चाकू से जानलेवा हमला, हालत गंभीर

ठाणे (नि.स.)। ठाणे जिले के मुंब्रा इलाके से रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। मुंब्रा के सम्राट नगर क्षेत्र में एक बेटे ने अपने ही पिता पर धारदार चाकू से जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल बुजुर्ग को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार घायल पिता की पहचान खजाजा शेख (65 वर्ष) के रूप में हुई है, जबकि आरोपी बेटे का नाम मोहम्मद शेख (45 वर्ष) बताया गया है।

जानकारी के मुताबिक पिता और पुत्र के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ था। देखते ही देखते यह विवाद इतना बढ़ गया कि मोहम्मद शेख ने गुस्से में आकर अपने पिता पर चाकू से हमला कर दिया। आरोप है कि उसने पिता की गर्दन पर कई बार किए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने घायल बुजुर्ग को तुरंत इलाज के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल, कलवा में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उनकी गर्दन पर गहरे घाव होने की पुष्टि की है और कई टांके लगाए गए हैं। फिलहाल उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश अभियान तेज कर दिया गया है। वहीं घायल पिता अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं।

मंदिर में चोरी करने वाला पुजारी महज दो घंटे में गिरफ्तार

15 लाख का मंगलसूत्र बरामद

नवी मुंबई (नि.सं.)। नवी मुंबई के नेरुल पुलिस स्टेशन की टीम ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए एसआईईएस कॉलेज परिसर में स्थित कामाक्षी मंदिर में हुई चोरी की गुत्थी को महज दो घंटे के भीतर सुलझा लिया है. पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए मंदिर के ही एक पुजारी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी गया शत-प्रतिशत माल बरामद कर लिया है. इस त्वरित और सफल कार्रवाई को डीसीपी अमित काले, एसीपी मयूर भुजबल, सीनियर पीआई अजय कांबले, क्राइम पीआई पंकज धाडगे और एडमिन पीआई संजय लाड के कुशल मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया. इस खोजी अभियान को अंजाम देने वाली जांच टीम में सहायक पुलिस निरीक्षक तुषार बच्छाव के साथ कॉन्स्टेबल कुंभार, झांजे, केलगंदरे, पवार और पाटील, सोनवणे एवं गीते शामिल थे. पुलिस की इस तेजतर्रार कार्रवाई की हर तरफ सराहना हो रही है

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कामाक्षी मंदिर से देवी मां का करीब 90 ग्राम वजन सोने का मंगलसूत्र चोरी हो गया था, जिसकी बाजार में कीमत 15 लाख रुपये आंकी गई है. मामले की गंभीरता को देखते हुए नेरुल पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजय कांबले के मार्गदर्शन में क्राइम डिटेक्शन टीम तुरंत हरकत में आई. पुलिस ने मंदिर में पूजा-पाठ करने वाले 4 संदेही पंडितों की हिरासत में लिया और उनसे कड़ाई से पूछताछ की। इसके साथ ही पुलिस ने पूरे घटनाक्रम का 'सीन रीक्रिएट' किया, जिससे शक की सुई मंदिर के ही एक पुजारी पर जाकर टिकी. जब पुलिस ने टारगेट निश्चित कर आरोपी के रहने के ठिकाने की तलाशी ली, तो कुलर के भीतर छुपाकर रखा गया 15 लाख रुपये का पूरा मंगलसूत्र सही-सलामत बरामद हो गया।

मंदिर ट्रस्ट के घर में ही रहता था आरोपी

पकड़े गए आरोपी की पहचान 22 वर्षीय कार्तिक रामदास बैरागी के रूप में हुई है. वह मूल रूप से मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के देवरी का रहने वाला है और फिलहाल एसआईईएस कॉलेज कामाक्षी मंदिर ट्रस्ट के निवास स्थान में ही रह रहा था. नेरुल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे धर दबोचा।